www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
9 जुलाई 2026
वर्ष: 49
अंक: 72 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान का कार्गो प्लेन कराची के पास गायब हुआ

नेविगेशन सिस्टम में खराबी आई, 5 क्रू मेंबर सवार थे, अरब सागर में सर्च ऑपरेशन जारी

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान का एक कार्गो विमान मंगलवार रात कराची पहुंचने से पहले लापता हो गया। विमान शारजाह से कराची आ रहा था और उसमें 5 क्रू मेंबर सवार थे।

पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के मुताबिक, रात 9:18 बजे पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी। कंट्रोल रूम ने विमान को गाइड करने की कोशिश की, लेकिन करीब तीन मिनट बाद उसका संपर्क टूट

गया। आखिरी बार विमान कराची से 155 नॉटिकल मील (287 किमी) पश्चिम में ट्रैक किया गया। विमान के लापता होने के बाद अरब सागर में बड़े स्तर पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। पाकिस्तान नेवी, एयर फोर्स और अन्य एजेंसियां खोज अभियान में जुटी हैं। अधिकारियों ने अभी तक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने या किसी हताहत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर कमांडर जाकिर अहमद ढेर

पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था; शोपियां में 5 दिन से ऑपरेशन जारी

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का टॉप कमांडर जाकिर अहमद गनी मारा गया। बुधवार को सुरक्षाबलों ने उसका शव बरामद किया।

आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सेना ने शनिवार शाम चनापोरा इलाके में ऑपरेशन

शुरू किया था। ऑपरेशन के पांचवें दिन जाकिर गनी का शव बरामद हुआ। एक और आंतकी लतीफ भट के छिपे होने की आशंका है। जाकिर गनी उन 14 आतंकियों की सूची में शामिल था, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया था। यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने मिलकर चलाया।

मुंबई एयरपोर्ट में रनवे पर आमने-सामने आए प्लेन

एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद खड़ा था

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर मंगलवार रात को हादसा टल गया। एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के दो विमान एक ही रनवे पर आमने-सामने आ गए। घटना रात 10 बजे की बताई गई है। मीडिया सूत्रों के

मुताबिक, एअर इंडिया के विमान ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर के निर्देश पर टेक-ऑफ रन रोक दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूत्रों ने बताया कि एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद रनवे से हटा नहीं था, तभी दिल्ली जाने वाला एयर इंडिया का विमान उसी रनवे से उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि सिलिगुड़ी से आई एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट रनवे खाली कर ही रही थी।

● *अभी यात्रा के 5 दिन ही हुए, करीब 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी*

अमरनाथ गुफा

प्राकृतिक शिवलिंग पूरी तरह पिघला

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। अभी यात्रा के पांच दिन ही बीते हैं। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। यात्रा के पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पांचवें दिन यह संख्या 1 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है।

यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यानी कि अभी 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है।

23 मई को 7 फीट का था शिवलिंग

23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90 प्रतिशत गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। यही इसकी सबसे अनोखी विशेषता है।

पीएम मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे

● बोले- हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला; पीएम ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए

जकार्ता (एजेंसी)। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में

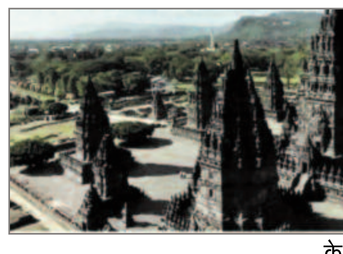

अपने संबोधन में कहा- मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है।

पीएम बोले-

2029 में जीर्णोद्धार पूरा होने पर फिर इंडोनेशिया आऊंगा- पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के किसी भी कोने में चले जाइए, वहां भारत की सांस्कृतिक विरासत की झलक जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रम्बानन दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय विरासत की दूसरी सबसे बड़ी पहचान है। यहां भगवान शिव, मां दुर्गा और भगवान गणेश की प्रतिमाएं हैं और सदियों से पूजा होती आ रही है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति प्रबोवो ने उनसे 2029 तक मंदिर के जीर्णोद्धार का काम पूरा करने का वादा लिया है और वह भी वादा करते हैं कि जीर्णोद्धार पूरा होने के बाद दोबारा इंडोनेशिया आकर इसका जश्न मनाएंगे। उन्होंने इंडोनेशिया के लोगों और शासकों का इस सांस्कृतिक विरासत को सहेजकर रखने के लिए आभार भी जताया।

रिटायर्ड एआरटीओ के घर 22 किलो सोना-चांदी मिला

● दीवारों और पैकटों में छिपाए थे 1.62 करोड़

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में आगरा के तत्कालीन सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) ललित कुमार के लखनऊ स्थित आवास पर दो दिन तक सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान टीम को करीब 1.62 करोड़ रुपए नकद, 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और करोड़ों रुपये के निवेश व संपत्तियों के दस्तावेज मिले। विजिलेंस ने बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 35 करोड़ रुपए आंकी है।

पुणे में इमारत पर कचरे का पहाड़ गिरा, 16 दबे

● सूरत में 19 इंच बारिश, 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा ● जम्मू-कश्मीर में पत्थरों का सैलाब, नासिक में पुल बहा, जोधपुर बाजार में नदी जैसी धार बही

जयपुर/पटना/अहमदाबाद/मुंबई/भोपाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को भारी बारिश से कचरे का पहाड़ 3 मंजिला इमारत पर गिर गया। इससे इमारत ढह गई। 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मीडियासूत्रों के अनुसार बताया कि पुणे के पिंपरी-चिंचवाड़ में कचरे का पहाड़ जैसा ढेर था, यह वहां मौजूद कचरा प्रबंधन की बिल्डिंग पर गिर पड़ा।

देश के कई राज्यों में भारी बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। जम्मू-कश्मीर के डोडा में बाढ़ के साथ बड़े-बड़े पत्थरों का सैलाब आ गया। कई गाड़ियां, घर और दुकानें मलबे में दब गईं।

महाराष्ट्र के नासिक, मुंबई और पुणे में भी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। पुणे के खड़कवासला डैम से 27,303 क्यूसेक पानी मुथा नदी में छोड़ा गया है। नदी के किनारे बसे गांवों में हाई अलर्ट है।

नासिक में त्र्यंबकेश्वर के दो गांवों को जोड़ने वाला पुल बह गया। यह मंदिर का परिक्रमा मार्ग भी था। श्रद्धालुओं की एंट्री दो दिन के लिए रोक दी गई है। कई अन्य शहरों में भी बाढ़ की स्थिति है। इधर, गुजरात के सूरत में 36 घंटे में 11 से 19 इंच तक बारिश हुई। यहां जुलाई 1941 में दर्ज हुई 18 इंच बारिश का 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। शहर में बाढ़ आ गई, शॉपिंग मॉल की एक मंजिल पानी में डूब गई।

बंगाल में बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

● पुलिस बोली- राइफल छीनकर भाग रहा था; तालाब से मिला था नाबालिग का शव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था। मीडिया के अनुसार, एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बारुईपुर में 12 साल की लड़की 4 जुलाई को लापता हो गई थी। 5 जुलाई को उसका शव एक तालाब से मिला। पोस्टमॉर्टम में रेप की पुष्टि हुई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने रेप-मर्डर के आरोप में प्रभास सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी आनंद सरदार है।

मां ने ठुकराया शव, बोली- उसने जो किया, उसकी सजा मिली- प्रभास मंडल की मुठभेड़ में मौत के बाद उसकी मां संध्या मंडल ने शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- उसने जो किया, उसकी सजा उसे मिल गई। मैं उसका चेहरा भी नहीं देखना चाहती और परिवार का कोई सदस्य भी शव लेने नहीं जाएगा।

आज भारी बारिश का अलर्ट

नदियों का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचा, दून–हरिद्वार में स्कूल बंद

देहरादून। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), देहरादून द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आज और कल प्रदेश के कई जनपदों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा, आकाशीय बिजली चमकने तथा तेज से अत्यंत तेज वर्षा के दौर की संभावना व्यक्त की गई है। इसे देखते हुए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक एहतियाती एवं सतर्कता संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने सभी जिलाधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने, राहत- बचाव दलों को अलर्ट मोड पर रखने, आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने, सड़क मार्गों की स्थिति पर लगातार नजर रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन ने प्रदेशवासियों से मौसम विभाग की जारी चेतावनियों का पालन करने की अपील की है।

देहरादून और हरिद्वार में आज स्कूल बंद

हरिद्वार और दून में बारिश के ऑरेंज अलर्ट को देखते हुए डीएम ने कक्षा एक से 12 तक और सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखने के आदेश जारी किए हैं।

चार राज्य मार्ग समेत 70 मार्ग बंद

प्रदेश में चार राज्यमार्ग 70 मार्ग बंद हैं। एसईओसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार इसमें सबसे अधिक मार्ग देहरादून और पिथौरागढ़ जिले में 14-14 बंद हैं। देहरादून जिले में तीन राज्यमार्ग बंद हैं। चमोली में 10, पौड़ी और टिहरी में आठ-आठ, बागेश्वर छह, रुद्रप्रयाग चार और चंपावत, अल्मोड़ा और नैनीताल में दो-दो मार्ग बंद हैं।

राम मंदिर चोरी-पुलिस को चंदे की फर्जी रसीद बुक मिली

● आरोपियों ने पैसे ऐंठने की बात कबूली, गोपाल राव का दावा- ट्रस्ट से नहीं हटाया गया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी के तीन आरोपियों लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा और करुणेश पांडेय को पुलिस ने 40 घंटे की रिमांड पर लिया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को आरोपियों से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की पुरानी फर्जी रसीद बुक मिली है। यह रसीद हूबहू असली की तरह दिखती है। इस पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र का लोगो बना है।

सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों ने पूछताछ में कबूला है कि वे फर्जी रसीद काटकर चंदा देने वालों से पैसे भी ऐंठ लेते थे। शुरुआत में टिन्नू यादव, लवकुश, करुणेश, अनुकल्प समेत अन्य आरोपी जब कोई मंदिर में दान देने की इच्छा जताता था, तो उसे रसीद के तौर पर यह फर्जी रसीद दे देते थे, ताकि किसी को शक न हो। अब नई व्यवस्था के तहत रसीद ऑनलाइन मिलती है, इसलिए इन लोगों ने इन रसीदों का इस्तेमाल करना बंद कर दिया था।

गोपाल राव ने ट्रस्ट के प्रेस नोट को खारिज किया, बोले- हटाने की बात गलत- ट्रस्ट से हटाए गए गोपाल राव ने दावा किया है कि वह अभी भी ट्रस्टी हैं। उन्हें हटाया नहीं गया है। हटाने की खबरें गलत संदेश है। जबकि सोमवार को ट्रस्ट की बैठक के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से जारी किए गए प्रेस नोट में लिखा गया है कि विशिष्ट आमंत्रित सदस्य की सूची से हटा दिया गया है। गोपाल राव का वास्तविक नाम गोपाल नगरकोटे हैं, इसी नाम से उन्हें ट्रस्ट में विशिष्ट आमंत्रित सदस्य बनाया गया था।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से सोमवार को जारी किए गए प्रेसनोट का वह हिस्सा, जिसमें गोपाल राव यानी गोपाल नगरकोटे को ट्रस्ट से हटाने की जानकारी दी गई थी।

● **सर्राफा कारोबारी और एक बिल्डिंग मटेरियल कारोबारी के घर भी दबिश-** पुलिस टीम बुधवार सुबह 7:36 बजे फैजाबाद जेल पहुंची। तीनों आरोपियों को पुलिस लाइन लेकर गई। तब से उनसे पूछताछ जारी है। एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार, तीनों आरोपी सीसीटीवी फुटेज में नोटों को जेब में रखते हुए नजर आए थे। अयोध्या पुलिस ने मिल्कीपुर क्षेत्र में भी छापेमारी की। पुलिस ने आरोपी अनुकल्प मिश्रा के चाचा के साथ इनायतनगर के एक के यहां भी दबिश दी। जांच टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों ने जो प्रॉपर्टी या सामान खरीदा था, उसका भुगतान ऑनलाइन किया था या नकद।

● **एसआईटी ने ट्रस्ट के बड़े आयोजनों के खर्च की जांच शुरू की-** एसआईटी ने अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बड़े आयोजनों के खर्च की जांच शुरू कर दी है। एसआईटी 22 जनवरी 2024 के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह और 25 नवंबर 2025 के ध्वजारोहण के बिल और वाउचर खंगाल रही है। रिकॉर्ड के मुताबिक, प्राण-प्रतिष्ठा पर 113 करोड़ रुपए खर्च हुए। इसमें 8 हजार मेहमान आए थे। ध्वजारोहण पर 10.12 करोड़ खर्च हुए।

स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, आजीविका संवर्धन और जल संरक्षण पर प्रभावी नीति बनाएं

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की टीम के साथ राज्य के विकास के विभिन्न विषयों पर की चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में नीति आयोग के सदस्य प्रो. (डॉ.) एम. श्रीनिवास के नेतृत्व में नीति आयोग की टीम ने भेंट की। इस अवसर पर उत्तराखण्ड के समग्र एवं सतत विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, जनसांख्यिकीय चुनौतियों तथा विकास की संभावनाओं के अनुरूप प्रभावी एवं दूरदर्शी नीति निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के विकास में नीति आयोग का सदैव सकारात्मक सहयोग प्राप्त हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी राज्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नीति आयोग का मार्गदर्शन एवं सहयोग मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय, तीर्थाटन, पर्यटन प्रधान राज्य के लिए नीति निर्माण में केवल स्थायी आबादी ही नहीं, बल्कि राज्य की फ्लोटिंग पॉपुलेशन को भी विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। कहा कि प्रदेश की स्थायी आबादी की तुलना में प्रतिवर्ष लगभग सात से आठ गुना अधिक लोग उत्तराखण्ड आते हैं, जिससे स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, परिवहन तथा अन्य बुनियादी सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इसलिए योजनाओं के निर्माण एवं संसाधनों के आवंटन में इस तथ्य का समुचित समावेश आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ जनजागरूकता और स्वास्थ्य शिक्षा को भी समान प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रभावी रूप से मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रभावी एवं दीर्घकालिक योजनाओं पर विशेष रूप से कार्य किया जाना चाहिए। साथ ही, प्रदेश के लोगों की आजीविका के संसाधनों में वृद्धि, स्थानीय रोजगार सृजन तथा सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बेहतर नीति निर्धारण एवं समन्वित प्रयास सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार और नीति आयोग के बीच समन्वित प्रयासों से उत्तराखण्ड के सर्वांगीण एवं संतुलित विकास को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, अपर सचिव नरेन्द्र भण्डारी, डॉ. संदीप तिवारी, एसीईओ सेतु मनोज पंत, सलाहकार एवं कार्यक्रम निदेशक नीति आयोग डॉ. सोनिया पंत, उप सचिव नीति आयोग दीपक कुमार विशेष कार्याधिकारी नीति आयोग डॉ. शोभित कुमार मौजूद थे।

विकास योजनाओं एवं निर्माण कार्यों के लिए 24 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद हरिद्वार के विधानसभा क्षेत्र भगवानपुर में 200 हैण्डपम्प का निर्माण किये जाने हेतु 1.43 करोड़, रूडकी शहर सीवरेज हेतु 3.16 करोड तथा न्यू हरिद्वार मॉडल कालौनी और गोविन्दपुरी में क्षतिग्रस्त वितरण पाईप लाईन का प्रतिस्थापन हेतु 4.50 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित गढ़वाल एवं कुमायूं परिक्षेत्र में स्थित जिला स्तरीय प्रयोगशालाओं में मानकों के परीक्षण हेतु ऑटोमैटिक एनालाइजर सिस्टम आईएस 3025 पार्ट 82-83 क्रय किये जाने हेतु 2.54 करोड की योजना स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा जनपद देहरादून की गडूल नदी (सौंग नदी की सहायक नदी) का पुनर्जीवन/ट्रीटमेंट के विभिन्न कार्य हेतु 6.02 करोड एवं जनपद उत्तरकाशी की कमल गंगा नदी का पुनर्जीवन/ट्रीटमेंट के विभिन्न कार्य हेतु 4.17 करोड की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में ओखलढूंगा झील के सुरक्षात्मक एवं विकास कार्य हेतु 74.38 लाख, जनपद उधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र नानकमत्ता में बंगाली कालौनी के नव निर्मित दुर्गा मंदिर के सौन्दर्यकरण हेतु 56.51 लाख, विधानसभा क्षेत्र अल्मोडा के सेराघाट में माँ मंगला भगवती माता मंदिर परिसर में धर्मशाला का निर्माण किये जाने हेतु 72.83 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने के साथ ही विधानसभा क्षेत्र हरिद्वार के न्याय पंचायत लालढांग के अन्तर्गत लाला ओम प्रकाश ज्ञानदीप कन्या इंटर कालेज की चाहर दीवारी के निर्माण हेतु 53.18 लाख स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

एक नजर

जंगली मशरूम लेने जंगल गई पांच महिलाएं भटकीं

हर्रावाला। पुट–पुट (जंगली मशरूम) लेने के लिए जंगल गईं नत्थनपुर–जोगीवाला की पांच महिलाएं रास्ता भटक गईं। सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ, वन विभाग और स्थानीय वन गुर्जरों ने करीब पांच घंटे तक संयुक्त सर्च अभियान चलाकर महिलाओं को सात–आठ किलोमीटर जंगल के भीतर से सकुशल रेस्क्यू किया।

नत्थनपुर–जोगीवाला निवासी पांच महिलाएं मंगलवार सुबह लच्छीवाला रेंज के जंगल में जंगली मशरूम (पुट–पुट) एकत्र करने गई थीं। दोपहर बाद घने जंगल में रास्ता भटक गईं। शाम करीब चार बजे रीनू नामक महिला ने 112 कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना दी कि पांच महिलाएं जंगल में फंस गई हैं और बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। पुलिस ने कॉलर से संपर्क किया, लेकिन महिलाएं अपनी सही लोकेशन नहीं बता पा रही थीं। जिस पर चौकी हर्रावाला पुलिस, एसडीआरएफ, लच्छीवाला रेंज के वनकर्मियों और स्थानीय वन गुर्जरों की संयुक्त टीम ने मढ़ी माई मंदिर से जंगल के भीतर सर्च अभियान शुरू किया। घने जंगल और दुर्गम रास्तों के बीच करीब पांच घंटे तक लगातार अभियान चलाया गया। टीम ने लगभग सात से आठ किलोमीटर अंदर जंगल में पहुंचकर सभी पांच महिलाओं को सकुशल खोज निकाला। इसके बाद उन्हें सुरक्षित जंगल से बाहर लाया गया।

बरसाती नाले को डायवर्ट करने और प्रभावितों की व्यवस्था के दिए निर्देश

गोपेश्वर। बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने आपदा प्रभावित पगनो गांव का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। विधायक ने प्रशासनिक अधिकारियों को गांव के ऊपरी हिस्से से आ रहे बरसाती नाले को शीघ्र डायवर्ट करने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित परिवारों के लिए रहने, खाने और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। विधायक ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। लखपत बुटोला ने ग्रामीणों से भारी बारिश के दौरान सतर्क रहने और किसी भी खतरे की स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की अपील की। उन्होंने प्रशासन को भी लगातार निगरानी बनाए रखने और आवश्यक राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ज्योतिर्मठ ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी, ग्राम प्रधान रमेश चंद्र सुंदरियाल तथा तहसील प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

मलबे और दलदल के कारण हाईवे पर थम रही रफ्तार

गोपेश्वर। चमोली जनपद में मंगलवार देर रात से शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह नौ बजे तक जारी रही। लगातार बारिश के बावजूद बदरीनाथ धाम, हेमकुंड साहिब तथा पंच केदारों के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। उन्होंने बारिश के बीच ही दर्शन–पूजन किया। वहीं बारिश से बदरीनाथ हाईवे कई हिस्सों में बदहाल हो गया है। भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में मिट्टी दलदल में तब्दील होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। गौचर के निकट कमेड़ा क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की ओर से सड़क पर मिट्टी और पत्थरों का भरान किया जा रहा है। बारिश के कारण यहां कीचड़ और दलदल बनने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा पर्थाडीप, भनेरपाणी और गुलाबकोटी क्षेत्र में भी सड़क पर मलबा जमा होने से यातायात सुचारु रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है जिससे यात्रियों को अतिरिक्त समय लग रहा है। वहीं एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों का कहना है कि मौसम सामान्य होते ही प्रभावित स्थानों पर मलबा हटाने और सड़क को सुरक्षित बनाने का कार्य तेज किया जाएगा। हाईवे पर यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा है।

गर्भवती की मौत के मामले में दस दिन बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

थराली। मूल रूप से लेटाल और हाल निवासी कुराड़ की गर्भवती सरिता देवी की 29 जून को एंबुलेंस में हुई मौत के मामले में दस दिन बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस पर यूकेडी कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताते हुए एसडीएम से मुलाकात की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि न तो अब तक जांच रिपोर्ट आई और न ही दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई हुई। यदि जल्द महिला की मौत की जांच रिपोर्ट और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे तहसील परिसर में आमरण अनशन पर बैठेंगे।

राज्य आंदोलनकारी भूपाल सिंह गुसाईं के नेतृत्व में एसडीएम से मिले कार्यकर्ताओं ने कहा कि सीएचसी थराली में विशेषज्ञ डॉक्टरों और अल्ट्रासाउंड मशीन की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में अस्पताल में लोगों को बेहतर उपचार नहीं मिल पा रहा है। इस मौके पर भूपाल सिंह गुसाईं, महिधर प्रसाद चमोला, यशपाल सिंह, पृथ्वी सिंह नेगी, पूजा शर्मा, दर्शन सिंह, प्रकाश राम, ललित आदि मौजूद थे। उपजिलाधिकारी यशवीर सिंह रावत ने बताया कि उन्होंने मांगों को संबंधित विभाग और उच्च अधिकारियों को भेज दिया है।

1 अगस्त से 30 सितंबर तक चलेगा स्टॉप डायरिया अभियान

-127 चिकित्सा इकाइयों में निःशुल्क जिंक ओआरएस कार्नर की होगी स्थापना
-आशा व एएनएम पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों वाले घरों का करेंगी दौरा

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में 01 अगस्त से शुरू होने वाले स्टॉप डायरिया अभियान के सफल आयोजन को लेकर संबंधित विभागों की बैठक ली। उन्होंने पेयजल आपूर्ति से जुड़े विभागों को जनपद में समस्त सार्वजनिक पेयजल टैंक की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बुधवार को एनआईसी सभागार में स्वास्थ्य, बाल विकास, शिक्षा, जलसंस्थान, पंचायतीराज, नगर पालिका आदि विभागों की बैठक ली व स्टॉप डायरिया अभियान को लेकर प्रत्येक विभाग के स्तर पर होने वाली कार्यवाही को लेकर निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा शिक्षा विभाग को प्रतिदिन विद्यालयों में बच्चों को हैंडवास प्रैक्टिस प्रदर्शन व अन्य डायरिया रोकथाम जागरूकता गतिविधि करने, जलापूर्ति से जुड़े विभाग जल संस्थान, पेयजल निगम आदि को प्रत्येक सार्वजनिक पेयजल टैंक की सफाई सुनिश्चित करते हुए इन गतिविधियों की दैनिक रिर्पोटिंग करने के निर्देश दिए। इसके अलावा बाल विकास विभाग को बच्चों के अभिभावकों को डायरिया रोकथाम के बारे में जागरूक करने व बच्चों में डायरिया के लक्षण दिखाए देने पर स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर उनका उपचार कराने को कहा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश ने बताया कि शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में 01 अगस्त से 30 सितंबर 2026 तक स्टॉप डायरिया अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत जनपद की सभी 127 चिकित्सा इकाइयों मे जिंक ओआरएस कार्नर की स्थापना कर इन कार्नर के माध्यम से जिंक व ओआरएस पैकेट का वितरण निःशुल्क किया जाएगा। बताया कि अभियान के दौरान आशा व एएनएम पांच साल से कम उम्र के बच्चों वाले घरों का दौरा करेंगी व इन घरों में अनिवार्य रूप से ओआरएस पैकेट का वितरण किया जाएगा। साथ ही आशा व एएनएम द्वारा

लक्षित आयु वर्ग के बच्चों के अभिभावकों को डायरिया के लक्षण बचाव के बारे में जागरूक किया जाएगा व ओआरएस घोल बनाने की विधि सिखाई जाएगी। घर भ्रमण के दौरान डायरिया के लक्षण मिलने पर संबंधित शिशु को निकटवर्ती चिकित्सालय रेफर किया जाएगा।

बताया कि पीड़ित बच्चे को निःशुल्क जिंक टैबलेट उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी अजय कुमार चौधरी, सहायक अभियंता रेवत सिंह रावत, बाल विकास परियोजना अधिकारी देवेश्वरी कुंवर, सफाई निरीक्षक नगर पालिका शिवराज सिंह, डीपीएम एनएचएम हिमांशु नौडियाल, डीसी आईईसी हरेंद्र सिंह नेगी आरकेएसके काउंसलर विपिन सेमवाल, डीईओ प्रतिरक्षण यशवंत राणा, डीपीएम पंचायतराज मनमोहन रौतेला, आरबीएसके मैनेजर सुमन जुगराण, डीसीएम आशा हेमलता गैरोला आदि मौजूद रहे।

आईटीआई में प्रवेश प्रक्रिया शुरू, 25 तक करें आवेदन

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला नोडल अधिकारी एवं आईटीआई फलसीमा के प्रधानाचार्य जेपी टम्टा ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी विस्तारित तिथियों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर प्रवेश सुनिश्चित कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि फिटर, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मोटर मैकेनिक, कंप्यूटर ऑपरेटर सहित विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश दिया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 25 जुलाई निर्धारित की गई है जबकि आवेदन में संशोधन 22 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। 26 जुलाई को मेरिट सूची जारी होगी। विकल्प भरने की प्रक्रिया 25 जुलाई से 2 अगस्त तक चलेगी। प्रथम काउंसलिंग के तहत संस्थान आवंटन 4 अगस्त को किया जाएगा जबकि आवंटित संस्थानों में प्रवेश 4 से 10 अगस्त तक लिए जाएंगे। उन्होंने अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है।

मानसून की दस्तक के साथ गंगोत्री—यमुनोत्री यात्रा पड़ी सुस्त

उत्तरकाशी। मानसून सीजन की शुरुआत के साथ ही गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा की रफ्तार धीमी पड़ गई है। पीक सीजन में जहां दोनों धामों में प्रतिदिन 15 से 20 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे थे वहीं अब यात्रियों की संख्या घटकर महज एक से डेढ़ हजार प्रतिदिन रह गई है। वर्तमान में दोनों धामों की यात्रा लगभग न के बराबर चल रही है।

इस वर्ष चारधाम यात्रा का शुभारंभ 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ हुआ था। शुरुआती दौर में दोनों धामों में श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ी। हालांकि जून से यात्रियों की संख्या में लगातार गिरावट आने लगी। पीक सीजन में प्रतिदिन 15 से 20 हजार श्रद्धालुओं के मुकाबले जून में यह आंकड़ा घटकर पांच से सात हजार प्रतिदिन रह गया। जुलाई में मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ यात्रा पर और अधिक असर पड़ा है। वर्तमान में दोनों धामों में प्रतिदिन केवल एक से डेढ़ हजार श्रद्धालु ही पहुंच रहे हैं। इसके चलते यात्रा पूरी तरह सुस्त पड़ गई है और प्रमुख यात्रा पड़ावों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। बरसात के दौरान लगातार भूस्खलन और सड़कों के बाधित रहने से श्रद्धालुओं को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आईटी कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू

अल्मोड़ा। सामाजिक विकास एवं प्रबंध समिति की ओर से नाबार्ड के सहयोग से माल रोड स्थित समिति के स्किल प्रशिक्षण केंद्र में तीन माह का आईटी कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक गिरीश पंत और डीआरडीओ से सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हेमंत कुमार पांडे ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाकर अपने भविष्य को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

उत्तरकाशी के नो नेटवर्क जोन खत्म करने के निर्देश

उत्तरकाशी। सीमांत और दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने टेलीकॉम कंपनियों को छह माह के भीतर नो नेटवर्क जोन को सक्रिय नेटवर्क क्षेत्र में बदलने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बुधवार को जिला स्तरीय टेलीकॉम समिति की बैठक में कहा कि बेहतर संचार व्यवस्था आपदा प्रबंधन, विकास और सरकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच के लिए बेहद जरूरी है।

जिलाधिकारी ने सभी टेलीकॉम सेवा प्रदाता कंपनियों को नेटवर्क विहीन क्षेत्रों का सर्वे कर प्राथमिकता के आधार पर मोबाइल कनेक्टिविटी मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के दुर्गम क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या लंबे समय से बनी हुई है जिसे तय समय सीमा के भीतर दूर किया जाना चाहिए।

बैठक में दूरस्थ क्षेत्रों में नए मोबाइल टावर स्थापित करने, बंद या कमजोर नेटवर्क वाले टावरों को सक्रिय करने व तकनीकी बाधाओं के समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने टेलीकॉम कंपनियों को भरोसा दिलाया कि नेटवर्क विस्तार से जुड़े कार्यों में जिला प्रशासन हर संभव सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि मजबूत संचार व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच आसान होगी।

युवाओं के सर्वांगीण विकास एवं समन्वित कार्य योजना पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार ह्यमेरा युवा भारत की जिला युवा सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में युवाओं के कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता, स्वयंसेवा, रोजगार, खेल एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2026-27 पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि ह्यमेरा युवा भारतह्न का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें विकास कार्यक्रमों का सक्रिय भागीदार बनाना है। उन्होंने सभी विभागों से युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों में बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जिला युवा अधिकारी ने समिति को मेरा युवा भारत की अवधारणा, उद्देश्य तथा वार्षिक कार्य योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था के माध्यम से युवाओं को स्वयंसेवा, नेतृत्व विकास, कौशल उन्नयन, सामाजिक नवाचार, खेल, शिक्षा, उद्यमिता एवं सामुदायिक सहभागिता जैसे क्षेत्रों में अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। बैठक में जनपद में युवाओं से संबंधित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इस दौरान युवाओं को आजीविका एवं स्वरोजगार के अवसरों के लिए प्रोत्साहित करने, विभिन्न विभागों द्वारा युवाओं के लिए संचालित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को समन्वित रूप से संचालित करने तथा समस्त विभागों के सहयोग से युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए समेकित कार्य योजना तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी पंकज उप्रेती, जिला युवा कल्याण अधिकारी धीरेन्द्र सिंह द्विवेदी, जिला क्रीड़ा अधिकारी मोहित सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत

ऋषिकेश। मायाकुंड क्षेत्र में एक युवती घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत अवस्था में मिली। युवती का शव कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। पुलिस प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का मानकर जांच कर रही है।
मायाकुंड क्षेत्र में नेहा (18) अपने माता–पिता के साथ किराए के कमरे में रहती थी। इन दिनों उसकी मां अपने पैतृक गांव बलिया (उत्तर प्रदेश) गई हुई है। वह अपने पिता हरिंद्र राजभर के साथ अकेले ही थी। उसकी दोनों बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि भाई रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है। पिता हरिंद्र राजभर पल्लेदारी का काम करते हैं। बुधवार सुबह नेहा ने अपने पिता को नाश्ता कराया। इसके बाद उसने हाथ में दर्द होने की बात कहकर कपड़े की दुकान पर काम पर नहीं जाने की जानकारी दी। हरिंद्र राजभर रोज की तरह काम पर चले गए।

सात दिन बाद जंगल में मिली युवती

अल्मोड़ा। रानीखेत के मजखाली क्षेत्र से करीब एक सप्ताह से लापता 28 वर्षीय युवती को अल्मोड़ा पुलिस और एसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने घने जंगल से सकुशल बरामद कर लिया। लगातार बारिश और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र के बीच पांच दिन तक चले सघन सर्च अभियान के बाद मंगलवार शाम सुंदरखाल के जंगल में युवती का पता चला। प्राथमिक उपचार के बाद उसे स्ट्रेचर के सहारे करीब छह किलोमीटर पैदल मुख्य सड़क तक लाया गया, जहां से एंबुलेंस से राजकीय चिकित्सालय रानीखेत भेजा गया। पुलिस के अनुसार रानीखेत निवासी गिरीश पुजारी ने तीन जुलाई को कोतवाली में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। युवती एक जुलाई की शाम घर से बिना बताए चली गई थी और परिजनों की काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं मिला था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस, एसडीआरएफ, फायर सर्विस, पीएसी, डॉग स्क्वॉड और वन विभाग की संयुक्त टीमों ने मजखाली, कालिका,

दलमोटी, सुंदरखाल और बूबूधाम के जंगलों में लगातार कॉम्बिंग की। 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ड्रोन कैमरों की भी मदद ली गई। मंगलवार शाम संयुक्त टीम ने सुंदरखाल गांव से करीब चार किलोमीटर दूर जंगल में युवती को खोज निकाला।

जिले के 16 स्वास्थ्य केंद्र नए स्वरूप में आएंगे नजर

नई टिहरी। टिहरी जिले के 16 प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जल्द ही नए रंग रूप में नजर आएंगे। लंबे समय से मरम्मत और बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे अस्पतालों को संवारने के लिए जिला योजना से लगभग 1.30 करोड़ की वित्तीय मंजूरी मिल गई है। स्वीकृत धनराशि से अस्पतालों में भवनों की मरम्मत, रंगाई–पुताई, सुरक्षा दीवार, शौचालय और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाना है। जिले के स्वास्थ्य केंद्रों में लंबे समय से आधारभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ था जिससे मरीजों के साथ–साथ स्वास्थ्य कर्मियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाओं का विस्तार करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उत्तराखंड के मरीजों के लिए शुरू हुआ अलग ओपीडी काउंटर

ऋषिकेश। एम्स में उत्तराखंड के स्थानीय रोगियों के लिए अलग से ओपीडी पंजीकरण काउंटर शुरू कर दिया गया है। काउंटर पर राज्यवासियों को पंजीकरण और बिलिंग सुविधा में प्राथमिकता दी जाएगी। बुधवार को संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह व स्थानीय विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने रिबन काटकर अस्पताल के भू–तल पर स्थित पंजीकरण एरिया में इस काउंटर का उद्घाटन किया। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि इस काउंटर पर उत्तराखंड के स्थानीय रोगियों को रोगी पंजीकरण संबंधी कार्यों में विशेष सुविधा मिलेगी।

क्षेत्रीय विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि एम्स में लगातार बढ़ रहे रोगियों की संख्या को देखते हुए स्थानीय रोगियों को पंजीकरण में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्होंने एम्स प्रशासन से अनुरोध कर राज्यवासियों के लिए अतिरिक्त काउंटर खोलने की मांग की थी। इस अवसर पर उप चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि कुमार, डॉ. विकास पंवार, पीआरओ डॉ. संदीप कुमार सिंह, उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी कमांडेंट अनिल चंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

नोटिसों में उलझा पनियाली गदेरा, वर्षा ने बढ़ाई चिंता

बरसात के दौरान उफान पर होकर बहता पनियाली गदेरा

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार : पिछले कई दशकों से शहर के बीच से गुजरने वाला पनियाली गदेरा केवल नोटिसों में ही उलझा हुआ है। अतिक्रमण के कारण पनियाली गदेरा सिमटता जा रहा है। ऐसे में एक बार फिर बरसात के मौसम में गदेरे ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। हर मानसून से पहले सरकारी विभाग अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर औपचारिकता पूरी कर लेते हैं, जबकि अतिक्रमण जस के तस बने हुए हैं।

सिंचाई विभाग ने इस वर्ष भी पनियाली गदेरे के किनारे रहने वाले 166 परिवारों को नोटिस जारी किए हैं, जिन्हें विभाग ने बाढ़ और कटाव के लिहाज से खतरे की जद में चिह्नित किया है। हालांकि नोटिस जारी होने के कई माह बाद भी अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई शुरू नहीं हो सकी है। दरअसल लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के जंगलों से निकलने वाला पनियाली गदेरा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समीप नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश करता है। इसके बाद यह शिवपुर, आमपड़ाव, मानपुर, सिताबपुर, काशीरामपुर और कौड़िया होते हुए सुखरो नदी में मिलता है। शहर में प्रवेश करते ही गदेरे का प्राकृतिक स्वरूप लगातार अतिक्रमण के कारण सिकुड़ता जाता है। नतीजतन, बरसात के दौरान तेज बहाव का पानी और मलबा पर्याप्त निकासी न मिलने से आबादी वाले क्षेत्रों में घुस जाता है, जिससे हर वर्ष लोगों को नुकसान उठाना पड़ता है।

वर्षों से नोटिस, कार्रवाई नहीं

पनियाली गदेरे को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई अब तक कागजी कवायद तक सीमित रही है। वर्ष 2017 की प्राकृतिक आपदा के बाद सिंचाई विभाग ने आमपड़ाव से कौड़िया तक 130 अतिक्रमण चिह्नित किए थे, लेकिन एक भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद वर्ष 2023 में विभाग ने दोबारा सर्वे कर 156 अतिक्रमण चिह्नित किए और नोटिस जारी किए, लेकिन तब भी कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। वर्तमान में गदेरे पर 166 से अधिक अतिक्रमण मौजूद हैं। बीते मई में विभाग ने अतिक्रमणकारियों को 15 दिन के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया था और चेतावनी दी थी कि ऐसा न करने पर विभाग कार्रवाई करेगा। इसके बावजूद करीब दो माह बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

उफान पर बरसाती गदेरे

चिल्लरखाल-लालढांग मार्ग पर दूसरे दिन भी यातायात बाधित

वर्षा के दौरान नदी से गुजरते लोग

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार : लगातार हो रही बरसात के कारण चिल्लरखाल-लालढांग मोटर मार्ग पर बहने वाले बरसाती गदेरे दूसरे दिन भी उफान पर रहे। तेज बहाव के चलते मार्ग पर वाहनों की आवाजाही लगभग ठप रही। इसके बावजूद कुछ वाहन चालक जोखिम उठाकर मार्ग पार करने का प्रयास करते रहे।

पिछले दो दिनों से मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार बारिश हो रही है। इसका सबसे अधिक असर चिल्लरखाल-लालढांग मार्ग पर पड़ा है। मार्ग के बीच पड़ने वाले सिगड्डी, मैली और चमरिया बरसाती स्रोत उफान पर हैं, जिससे आवागमन बेहद जोखिमपूर्ण बना हुआ है। बुधवार सुबह कोटद्वार क्षेत्र में हल्की बारिश हो रही थी, लेकिन ऊपरी पर्वतीय क्षेत्रों में हुई तेज वर्षा के कारण बरसाती स्रोतों का जल स्तर अचानक बढ़ गया। इससे कई घंटों तक मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से वर्षाकाल के दौरान इस मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी बोर्ड लगाने तथा जल स्तर अधिक होने पर यातायात रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही वाहन चालकों से भी बरसाती गदेरों में जल स्तर अधिक होने पर जोखिम उठाकर मार्ग पार न करने की अपील की गई है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी व मेरी भाईयों की संयुक्त रूप से ग्राम उदयरामपुर नयाबाद, पट्टी मोटाढांक में भूमि स्थित है जो कि कोटद्वार तहसील के अन्तर्गत आती है जिसका खाता खतौनी संख्या 009 है। मेरे भाईयों द्वारा अपने हक हिस्से की भूमि बिना किसी बंटवारे के बेची गयी है तथा भूमि का बंटवारा न्यायालय असिस्टेन्ट कलेक्टर कोटद्वार में विचाराधीन है, आज भी मेरे भाई भूमि को बिना विधिक बंटवारे के बेचने के फिराक में रहते है उक्त खाते की भूमि का विधिक बंटवारा न होने तक कोई भी व्यक्ति यदि भूमि को खरीद करता है तो वह स्वयं उसकी जिम्मेदारी होगी ताकि पूर्व में खरीददारों से अपेक्षा है कि यदि रास्ता है तो रास्ते हेतु प्रत्येक विक्रेता अपने हिस्से में 06 विश्वा भूमि कम कर छोड़ दे ताकि रास्ता भी सबको मिल जाये अन्यथा दूसरे के हिस्से रास्ता नहीं दिया जायेगा सूचना जाने पूर्व में अखबार प्रकाश से सूचित किया गया था।

गिरीश चन्द्र पुत्र महेन्द्र प्रताप निवासी मोटाढाक, उदयरामपुर नयाबाद, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।
(0550/21)

मोटर मार्ग निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मार्ग निर्माण को प्रदर्शन करते ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर के ग्राम दीवा में ग्रामीणों ने दीवा-द्वारीखाल मोटर मार्ग के निर्माण की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले 25 वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक न तो मार्ग का निर्माण शुरू हुआ और न ही सर्वे की प्रक्रिया पूरी हो सकी है। बुधवार को कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में ग्रामीण दीवा गांव में एकत्र हुए और क्षेत्रीय विधायक तथा शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने शीघ्र सड़क निर्माण की मांग उठाई। विनोद डबराल ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में विकास कार्य अपेक्षित गति से नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दीवा-द्वारीखाल मोटर मार्ग बनने से क्षेत्र के कई गांवों को सीधा लाभ मिलेगा और लोगों की आवाजाही के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुंच आसान होगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मार्ग का लाभ क्षेत्रीय विधायक के पैतृक गांव को भी मिलेगा, बावजूद इसके वर्षों से इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मोटर मार्ग निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित की इस मांग की लगातार अनदेखी किए जाने पर ग्रामीण क्षेत्रीय विधायक के गांवों में प्रवेश का विरोध करने को भी मजबूर होंगे। प्रदर्शन में महेंद्र सिंह, सुरजीत सिंह, सोहन सिंह, मुरली सिंह, सतेंद्र सिंह, मदन सिंह, विनीता देवी, रजनी देवी, रमेश सिंह, जयमल सिंह, देवेंद्र सिंह, आनंद सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कार्यालय- नगर निगम कण्वनगरी, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)

पत्रांक- 1690/नि0अनु0/नि0का0/2026-27 दिनांक- 07/07/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार के पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों की सील बन्द निविदाएँ दिनांक 14/07/2026 को अपराहन 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 09/07/2026 से 13/07/2026 को अपराहन 04:00 तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा करने के उपरान्त प्राप्त किये जा सकते है। निविदा दिनांक 14/07/2026 को सायं 04:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। किसी भी दर/निविदा को अस्वीकृत अथवा निरस्त करने का सम्पूर्ण अधिकार नगर आयुक्त, नगर निगम कोटद्वार के पास सुरक्षित होगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क+18% GST	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता
1	वार्ड न0 20 में विक्रम सिंह रावत के घर से जलनिगम स्टोर की चार दीवारी के किनारे किनारे देवी रोड तक पी0वी0सी0 पाईप द्वारा नाली व चैम्बर का निर्माण कार्य।	18,000.00	1000+180	30 दिन	45 दिन

सहायक नगर आयुक्त
नगर निगम कण्वनगरी कोटद्वार।
(0296/61)

व्यापार सभा और नगर निगम के बीच सुलझा विवाद

श्रीनगर गढ़वाल : गोला पार्क में 10 जुलाई को एक ही दिन दो कार्यक्रमों की अनुमति मिलने से उपजा विवाद बुधवार को पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में सुलझ गया। कोतवाली में हुई बैठक में नगर निगम और श्रीनगर व्यापार सभा के बीच समय का बंटवारा तय होने के बाद दोनों पक्ष अपने-अपने कार्यक्रम निर्धारित समय पर करने पर सहमत हो गए। व्यापार सभा का कार्यक्रम ढाई घंटे चलेगा और बाकी समय नगर निगम आयोजन करेगा। बैठक में प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह और तहसीलदार दीपक सिंह भंडारी की मौजूदगी में बैठक हुई। इस दौरान बनी सहमति के अनुसार नगर निगम का स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक चलेगा। इसके बाद अपराह्न तीन बजे से शाम 5.30 बजे तक व्यापार सभा का शपथ ग्रहण समारोह होगा। समारोह के बाद नगर निगम अपने शेष कार्यक्रम करेगा। पुलिस के अनुसार तय समय पर दोनों कार्यक्रम होंगे और पुलिस सुरक्षा व यातायात व्यवस्था संभालेगी। तहसीलदार दीपक सिंह भंडारी ने कहा कि दोनों पक्षों की सहमति से विवाद समाप्त हो गया है। बैठक में नगर निगम की ओर से सहायक नगर आयुक्त रविराज सिंह बंगारी तथा व्यापार सभा की ओर से अध्यक्ष अनुज जोशी, जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी, दिनेश पंवार, जयदीप रावत समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। (एजेंसी)

सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : आम आदमी पार्टी उत्तराखंड के प्रदेश सह-सचिव समीर रतूड़ी ने बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। कहा कि पूरे प्रकरण की जांच किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में होनी चाहिए। यहां जारी एक विज्ञप्ति में रतूड़ी ने आरोप लगाया कि मंदिर में चढ़ावे से जुड़े मामले ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अयोध्या में कथित चंदा चोरी के मामले की तरह अब उत्तराखंड भी ऐसे आरोपों से अछूता नहीं रहा है। रतूड़ी ने कहा कि बदरीनाथ मंदिर में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप पहले भी सामने आ चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त चंदे के लाभार्थी खाते की भी जांच होनी चाहिए। साथ ही पूर्व में हुई नियुक्तियों में भी पारदर्शिता नहीं बरती गई। पार्टी ने बीकेटीसी के अध्यक्ष से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग की। (एजेंसी)

सुरक्षित वाहन संचालन और दुर्घटना से बचाव की दी जानकारी

श्रीनगर गढ़वाल : सड़क सुरक्षा और स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्रीनगर रोडवेज बस डिपो परिसर में परिवहन विभाग की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रोडवेज बस चालकों, परिचालकों, टैक्सी, कमांडर और लोकल टैक्सी यूनियनों के चालकों ने भी भाग लिया। सभी को यातायात नियमों का पालन, सुरक्षित वाहन संचालन और दुर्घटनाओं से बचाव के बारे में जानकारी दी गई।पौड़ी के आरटीओ विमल पांडे ने कहा कि सड़क पर जरा सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने व्यावसायिक वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने, सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की। इस दौरान परिवहन विभाग ने चालकों को डस्टबिन और बैग वितरित किए। कार्यक्रम में परिवहन विभाग की टीम के मुख्तार अली, नवीन कुंवर, आशीष नेनवाल, नवीन कुमार और सोनाली, रोडवेज डिपो प्रभारी अशोक काला सहित वाहन स्वामी व चालक मौजूद रहे।

ग्रामीणों ने प्राथि कणोली के विलय को निरस्त करने की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय कणोली के कलस्टर विद्यालय राइंका जखंड में विलय का ग्रामीणों ने विरोध जताया। बैठक के बाद ग्राम प्रधान जगदीश लाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने खंड शिक्षा अधिकारी, कीर्तिनगर को ज्ञापन सौंपकर विद्यालय का विलय निरस्त करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि विद्यालय में छात्र संख्या लगातार बढ़ रही है और यहां कणोली, टकोली, तल्यामंडल, कफल्ड तथा पैंडुला सहित लगभग पांच ग्राम पंचायतों के छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। विद्यालय का परीक्षा परिणाम भी शत-प्रतिशत रहा है। विद्यालय के विलय होने पर भविष्य में इस विद्यालय पर भी असर पड़ेगा। विद्यालय मुख्य सड़क से करीब 100 मीटर की दूरी पर स्थित है और विद्यालय में बच्चों की पहुंच आसान है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि विद्यालय के विलय का निर्णय वापस नहीं लिया गया तो वे जनहित में आंदोलन करेंगे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से, उप मुख्य अभियन्ता / निर्माण, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के तहत खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं :

1	कार्य का नाम व स्थान	मुरादाबाद डिवीजन के MB-SRE सेक्शन में Dy. CE/C/MB के अधिकार क्षेत्र के तहत, ADEN-Roorkee सेक्शन में बालावाली-रायसी के बीच पुल नंबर 1248 पर गाइड बंड और अन्य सुरक्षा कार्यों के विस्तार से जुड़े सुरक्षा कार्यों के बचे हुए काम के साथ-साथ, तटबंध, गाइड बंड और अन्य संबंधित कार्यों को मजबूत और सुरक्षित करने के लिए नदी प्रशिक्षण कार्यों (गाइड बंड का विस्तार, जियोट्यूब और अन्य सुरक्षा कार्य) का बचा हुआ काम।
2	कार्य पूरा करने की अवधि	06 (छह) माह
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 3502.15 लाख
4	जमा की जाने वाली जमानत राशि	रु. 70,04,300.00
5	निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र की बृहत जानकारी	ई निविदा प्रपत्र की बृहत सूचना उत्तर रेलवे कि वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपर्युक्त निविदा प्रपत्र आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 07.07.2026 से दिनांक 29.07.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। उपर्युक्त टेंडर के सम्बन्ध में अन्य सभी नियम व शर्तें टेंडर डॉक्यूमेंट में दी गई हैं। निविदा सूचना कि बृहत जानकारी कार्यालय में निविदा सूचना बोर्ड से की जा सकती है।
6	अन्तिम तिथि /ई-निविदा अपलोड करने की तिथि	29.07.2026 को 15:00 बजे तक। ई-निविदा दिनांक 15.07.2026 से 29.07.2026 को 15:00 बजे तक आईआरईपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
7	ई-निविदा खुलने की तिथि व समय	टेकनिकल कम कमर्शियल बिड दिनांक 29.07.2026 को 15:00 बजे तक ई-टेंडर अपलोडिंग बंद होने के तुरन्त बाद खोली जाएगी। योग्य टेंडरर की फाइनेन्शियल बिड कार्यालय द्वारा दी गई दिनांक व समय की सूचना के आधार पर बाद में खोली जाएगी।

निविदा सूचना सं. -1-डब्लू-टेंडर-297-उप मु.अभि. नि. मुरादाबाद दिनांक- 07.07.2026
2342/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (ओपी), मुरादाबाद के द्वारा ई टेंडर संख्या ई-1-ओटी-रनिंग रूम – एमबी-26 के अंतर्गत खुली निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं जिसके बंद होने की तिथि व समय 29.07.2026, 15:00 बजे है, जो उसी दिन 15:30 बजे वैबसाइट www.ireps.gov.in पर खोली जाएंगी। इस टेंडर के अंतर्गत मैनुअल ऑफर स्वीकार्य नहीं होगे। टेंडर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्य का नाम	मुरादाबाद रनिंग रूम (RR) की 24 घंटे देखभाल, रखरखाव और हाउसकीपिंग (जिसमें परिसर के लॉन और गार्डन की देखभाल भी शामिल है); RR में रहने वालों के लिए खाना बनाना और परोसना; 24 घंटे सुरक्षा और रिसेप्शन मैनेजमेंट; RR में रहने वालों को ट्रेन ऑर्डरिंग कॉल की जानकारी देना; RR से इस्तेमाल किए गए लिनेन (चादर, तौलिए, आदि) इकट्ठा करना और उन्हें धोकर व प्रेस करके वापस पहुंचाना; रनिंग रूम के हर व्यक्ति को धुले हुए लिनेन उपलब्ध कराना; और मुरादाबाद रनिंग रूम में 02 साल की अवधि के लिए कीड़े-मकोड़ों, चूहों और दीमक से बचाव की व्यवस्था करना।		
निविदा टाइप	खुली निविदा	बिडिंग स्टाइल	डबल पैकेट सिस्टम
निविदा बंद होने की दिनाँक एवं समय	29.07.2026 15:00 बजे	टेण्डेरिंग सेक्शन	इलेक्ट्रिकल (ओपी)
एडवेरटाइज्ड वेल्यू	रू. 8,73,46,870.14/– (इंक्लूसिव ऑफ़ आल टैक्सेज एंड चार्जेज इनक्लुडिंग जीएसटी @18%)		
धरोहर राशि (रु.)	रु. 5,86,700.00/-	ऑफर की वैधता	90 दिन
कांट्रेक्ट टाइप	सर्विस	कार्य की अवधि	02 वर्ष (730 दिन)

सं.: वरि./मं./वि./अभि./परि./रनिंग रूम/निविदा/06/2026 दिनाँक : 06.07.2026
2336/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सहायक अभियन्ता सिंचाई उपखण्ड-चतुर्थ, दुगड्डा पौड़ी (गढ़वाल)

पत्रांक- 225 /स0अ0च0/निविदा/टी-03/ दुगड्डा दिनांक- 08/07/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या- 02/सअच/2026-27

उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से सहायक अभियन्ता सिचांई उपखण्ड चतुर्थ दुगड्डा, के द्वारा निम्नलिखित कार्यों की मुहर बन्द निविदा दिनांक 23-07-2026 अपराहन 5:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र के साथ रू0 100 /- के General Stamp Paper पर रू0 1.00/- का रसीदी टिकट लगाकर वैधता की शर्तो के साथ ठेकेदार द्वारा हस्ताक्षर करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 09.07.2026 से दिनांक 27.07.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सांय 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदायें दिनांक 28.07.2026 को अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकती हैं। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड का नाम	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0 में	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में पेरिमा तोक में पुस्ता निर्माण कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
2	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में ग्राम पंचायत बिनक में अनुसूचित बस्ती के निकट मुख्य मार्ग पर पुस्ता निर्माण कार्य। (एस0सी0एस0पी0)	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
3	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में ग्राम तिमली बडी के ग्वाडा तोक में सुरक्षा दीवार का निर्माण का कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
4	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में ग्राम सभा ताछला में पुल के निकट आवसीय मकानो की सुरक्षा हेतु सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
5	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में ग्राम सभा देवराना में डाबर तोक में चैकडेम निर्माण कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
6	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर ग्राम सभा अमोली के रगड तोक में सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य।	यमकेश्वर	12,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
7	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में गुंजराडी नहर का मरम्मत का कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
8	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में गंगाभोगपुर नहर का मरम्मत का कार्य।	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
9	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में दांयी निसनी नहर का मरम्मत का कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
10	जिला योजना मद के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में ठांगर नहर का मरम्मत का कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
11	जिला योजना के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में जुड्ड मराल नहर का मरम्मत का कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
12	जिला योजना के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में कटघर नहर का मरम्मत का कार्य।	यमकेश्वर	9,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
13	जिला योजना के अन्तर्गत वि0ख0 यमकेश्वर में नैल नहर की फील्डगूल नहर का मरम्मत कार्य।	यमकेश्वर	12,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर
14	वि0ख0 यमकेश्वर के ग्राम तिमल्याणी के अनु0 जाति बाहुल्य क्षेत्र में पुस्ता निर्माण का अवशेष कार्य। (एस0सी0एस0पी0)	यमकेश्वर	15,000.00	500.00+18% जी0एस0टी0	3 माह	ई एवं उच्चतर

नोटः- नियम व शर्ते कार्यालय नोटिस बोर्ड एवं कार्यालय समय में देखी एवं प्राप्त की जा सकती है।

सहायक अभियन्ता
सिंचाई उपखण्ड चतुर्थ
(0293/78)

संपादकीय

आस्था विश्वास से खिलवाड़

उत्तराखंड के विश्व विख्यात बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ने के पैसे को लेकर सामने आए प्रकरण में मंदिर समिति के अध्यक्ष के निजी सचिव को निलंबित किया गया है। पहले से ही देश में राम मंदिर में चंदा चोरी को लेकर हंगामा मचा हुआ है उसे पर बद्रीनाथ मंदिर में उपजे इस घोटाले के बाद तो करोड़ों लोगों की आस्था पर सीधे प्रहार हुआ है। आज जब एक तरफ धर्म के नाम पर सरकारी बन जाती है, धर्म और जाति के नाम पर परियों खड़ी हुई है तो ऐसी स्थिति में धार्मिक स्थलों से उपज रहे ऐसे प्रकरण बेहद चिंता जनक है। बद्रीनाथ धाम केवल उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां पहुंचकर भगवान बद्रीविशाल के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। मंदिर में चढ़ाया जाने वाला चढ़ावा केवल धन नहीं होता, बल्कि भक्तों के विश्वास, समर्पण और धार्मिक भावनाओं का प्रतीक होता है। ऐसे में यदि चढ़ावे की सुरक्षा को लेकर चोरी या अनियमितता का कोई मामला सामने आता है, तो यह स्वाभाविक रूप से जनमानस को विचलित करता है। धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी ताकत लोगों का विश्वास होता है। यही विश्वास वर्षों से बद्रीनाथ धाम की प्रतिष्ठा और गरिमा को बनाए हुए है। इसलिए चढ़ावे से जुड़ी किसी भी घटना को केवल आर्थिक हानि के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह उस भरोसे से जुड़ा प्रश्न है, जिसे करोड़ों श्रद्धालु मंदिर प्रशासन और व्यवस्था के प्रति रखते हैं। ऐसी घटनाओं के सामने आने पर सबसे पहली आवश्यकता निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की होती है। जांच का उद्देश्य केवल दोषियों की पहचान करना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन व्यवस्थागत कमियों को भी उजागर करना होना चाहिए जिनके कारण ऐसी घटनाएं संभव हो पाती हैं। यदि सुरक्षा तंत्र में कहीं कोई कमजोरी है तो उसे तत्काल दूर किया जाना चाहिए। आज के डिजिटल युग में धार्मिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को भी आधुनिक बनाया जाना आवश्यक है। सीसीटीवी निगरानी, डिजिटल लेखा–जोखा, नियमित ऑडिट और जवाबदेह प्रबंधन व्यवस्था जैसी पहलें न केवल चोरी की संभावनाओं को कम कर सकती हैं, बल्कि श्रद्धालुओं के मन में विश्वास को भी मजबूत कर सकती हैं। पारदर्शिता ही किसी भी संस्था की विश्वसनीयता का आधार होती है। यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी घटना के सामने आते ही बिना जांच पूरी हुए किसी व्यक्ति या संस्था को दोषी ठहराना उचित नहीं है। तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर ही निष्कर्ष निकलने चाहिए। न्याय का मूल सिद्धांत भी यही है कि सत्य सामने आने तक धैर्य और निष्पक्षता बनाए रखी जाए।

बद्रीनाथ धाम भारत की आध्यात्मिक धरोहर है। इसकी गरिमा और पवित्रता की रक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का दायित्व है। आवश्यक है कि इस प्रकार की घटनाओं से सबक लेते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत बनाया जाए, ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास अक्षुण्ण रहे और देवभूमि की इस महान परंपरा पर कभी कोई प्रश्नचिह्न न लगे। आस्था के केंद्रों की सुरक्षा केवल संपत्ति की सुरक्षा नहीं, बल्कि विश्वास की सुरक्षा भी है। और विश्वास की रक्षा हर कीमत पर की जानी चाहिए। बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति को इस प्रकार से जुड़े सभी पहलुओं को सार्वजनिक तौर पर सामने रखना चाहिए ताकि आस्था के साथ विश्वास का समन्वय भी बना रह सके।

बिहार में बदलाव की बयार, जाति-धर्म तोड़ न्याय के लिए एक हुआ समाज

उमेश चतुर्वेदी

जाति और धर्म के बिना आज राजनीति की कल्पना बेमानी है, लेकिन बिहार में जातिवाद का असर कुछ ज्यादा ही दिखता है। यहां मानस किस कदर जातिवाद के घेरे में है, इसे समझने के लिए किसी खास जाति के अपराधियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई को देखना होगा। तब उस अपराधी के जाति विशेष द्वारा उसे बेकसूर बताने और कार्रवाई को जातिवादी बदला बताने की होड़ लग जाती है। लेकिन इसी बिहार में हाल ही में हुई एक घटना की प्रतिक्रिया में उभरा जनाक्रोश इसके ठीक उलट है। इसमें जाति और धर्म की सीमाएं टूट गई हैं। भोजपुर पुलिस के कथित एनकाउंटर में मारे गए सवर्ण युवक भरत तिवारी के इंसाफ के लिए उतरे लोगों के बीच कोई जातीय दीवार नजर नहीं आ रही। हालांकि इसे भी जातीय रंग देने की कोशिश की गई, तो उसके खिलाफ उसी दलित समाज के स्त्री और पुरूष मैदान में उतर आए, जिनकी रहनुमाई का दावा करने वाली राजनीति हस्ती ने यह रंग देने का प्रयास किया था।

इससे इनकार नहीं कि भारतीय समाज में ऊंच-नीच का भाव रहा है। फिर भी समाज में सद्भाव, सहयोग और मेलजोल की गहरी परंपरा है। सामाजिक मामलों में कई बार जाति की दीवारें टूटती भी नजर आती हैं। लेकिन जैसे ही चुनाव और राजनीति का मसला सामने आता है, जातीय सोच पूरी ताकत से उभर आती है। बिहार इस मामले में कुछ ज्यादा ही बदनाम है। ऐसे माहौल में अगर सवर्ण समुदाय के भरत तिवारी की पुलिस के हाथों हुई हत्या के खिलाफ सड़कों पर दलित और पिछड़े समुदाय तक के लोग उतर आएं तो मानना पड़ेगा कि पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था का जीन अब भी देश की रगों में बह रहा है। बस उसे जगाने की जरूरत है। हालांकि भरत तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ को भी जातीय रंग देने की कोशिश भी हुई। हैरत की बात है कि इसके पीछे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी नजर आए। जातिवादी चश्मे से इस घटना को देखते हुए उन्होंने कह दिया कि भरत तिवारी चूंकि ब्राह्मण था, इसीलिए सवर्ण समाज आक्रोशित है। उसकी जगह कोई दलित और पिछड़ा होता तो इस मामले को इतना तूल नहीं दिया जाता। मांझी के इस बयान ने जातिवादी खोल से बाहर निकले जनाक्रोश की आग में घी का काम किया। विरोध में भरत के गांव बिलौटी ही नहीं, आसपड़ोस के दलित और पिछड़े परिवार भी गुस्से से भर उठे। गंगा के कटान से प्रभावित ये लोग मांझी की लानत-मलामत में उतर आए। उन्होंने उलटे मांझी से ही पूछ लिया कि हमारे नेता होने के बावजूद उन्होंने उनकी हालत जानने की कोशिश क्यों नहीं की। लोगों का कहा था कि जिसके खिलाफ वे बोल रहे हैं, साधनहीन होने की बजाय वही व्यक्ति उनके साथ खड़ा रहा।

बिहार में ठीक साढ़े इक्कीस साल पहले इसी तरह जाति और धर्म का बंधन टूटा था। झारखंड के अलग होने के बाद राज्य में पहला विधानसभा चुनाव हो रहा था। इसी दौरान बारह जनवरी 2005 को पटना के पटेल नगर से दिनदहाड़े पंद्रह साल के किसलय का अपहरण कर लिया गया। इस अपहरण के खिलाफ तब बिहार का पूरा समाज उतर आया था। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार में उतरे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का बयान तब जन-जन की जुबान पर चढ़ गया था। उन्होंने कहा था, मेरा किसलय लौटा दो। किसलय की वापसी का सवाल जाति और धर्म की सीमाओं को तोड़ समूचे बिहार की आवाज बन गया था। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी की कथित मुठभेड़ में हत्या के बाद एक बार फिर बिहार का समाज ठीक उसी तरह जाति और समुदाय के खांचों को तोड़ सत्य और न्याय के साथ खड़ा नजर आ रहा है।

भोजपुर जिले का जवानिया गांव गंगा के ठीक किनारे है। इस गांव को पिछले साल गंगा की लहरों ने तकरीबन लील लिया। कटान से प्रभावित लोगों को अपने घर-खेत गंवाना पड़ा, तब से ज्यादातर लोगों की स्थिति बदहाल है। प्रभावितों को घर के लिए जमीन और पैसे तो दिए गए, लेकिन जो जगह उन्हें मिली, वह गड्ढे वाली है। बाकी सहूलियतें भी ना के बराबर मिली हैं। इनकी बस्ती में हाल के दिनों तक पानी का चापाकल तक नहीं थे, कुछ थे भी तो उनमें पानी नहीं आ रहा था। इन्हीं बदहाल लोगों की आवाज बनकर भरत तिवारी सक्रिय थे। भरत तिवारी के न रहने के बाद बिलौटी और

जवानिया के उजड़े लोगों का कहना है कि उन्हें भरत तिवारी की ही वजह से थोड़ी-बहुत सुविधाएं मिली हैं। इनके लिए वे ही प्रशासन से लड़ते रहे। कटान पीड़ित जवानिया गांव वालों का दर्द है कि उन्हें पानी से निकालकर फिर से पानी में ही बसा दिया गया है। उन्हें डर है कि फिर बारिश और बाढ़ आई तो उन्हें उजड़ना पड़ सकता है। भरत तिवारी इन्हीं मुद्दों को उठा रहे थे। भरत के गांव वालों का कहना है कि वह थोड़े तुनक मिजाज जरूर थे, लेकिन लोगों के सहयोग के लिए हमेशा तैयार रहते थे। प्रशासन के यहां कटान पीड़ितों की सुनवाई ना होने से भरत गुस्से में थे। गांव वाले मानते हैं कि प्रशासन के प्रति भरत के मन में गुस्सा था। उन्होंने एक फेसबुक पोस्ट में एक पुलिस वाले का एनकाउंटर करने की भी बात कही थी। इसके वायरल होने के बाद पुलिस ने भरत के खिलाफ जांच शुरू की थी। गांव पहुंची पुलिस के सामने भरत के माता-पिता ने भी उन्हें डांटा था। पुलिस से भरत की नोकझोक और झूमाझटकी भी हुई थी। इसके बाद 16 जून को एक बयान में पुलिस ने उन्हें मानसिक रूप से अस्थिर बताया था। लेकिन अगले ही दिन यानी सत्रह जून को पुलिस ने उन्हें घेर लिया। तब भरत के हाथ में पिस्तौल थी। उन्होंने जवानियां के गड्ढे भरने के साथ तीन मांगें रखीं थी। जब प्रशासन ने उनकी मांगें मानने का भरोसा दिया तो उन्होंने पिस्तौल फेंक कर सरेंडर कर दिया था। जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। पुलिस वहां से उन्हें ले गई और बाद में उन पर पंद्रह-बीस फायर करने का आरोप लगाते हुए उनके मुठभेड़ की बात कही थी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया था, जहां सत्रह जून को उनकी मौत हो गई। लेकिन पुलिस की थ्योरी पर लोगों को भरोसा नहीं हुआ और इलाके का गुस्सा फूट पड़ा। लोगों का कहना है कि जब भरत ने पिस्तौल पुलिस को सौंप दी तो फिर वे गोली कैसे चला सकते हैं।

भरत की शव यात्रा में उमड़ी भीड़ बिहार के नए समाज का आइना कही जा सकती है। हालांकि बिहार सरकार का रवैया पारंपरिक रहा। वह प्रशासन के ही बचाव में नजर आई। लेकिन जनाक्रोश देखते हुए उसे झुकना पड़ा। भरत की हत्या की जांच के लिए पटना हाईकोर्ट के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विनोद कुमार सिन्हा की अगुआई में जांच आयोग गठित किया गया है। इसी बीच आरोपी पुलिस वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिनमें डीएसपी और शाहपुर के थानेदार भी शामिल हैं। स्थानीय स्तर पर सवर्ण के पक्ष में दलित और पिछड़ों के उतरने से जाति और धर्म के आधार पर चाल चलने वाली राजनीति को परेशानी जरूर महसूस हो रही होगी। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि समाज की सोई सकारात्मक आत्माएं ऐसे ही जागती हैं और बदलाव की बुनियाद बनती हैं। बस उसके लिए चिंगारी की जरूरत होती है। उम्मीद की जा सकती है कि भरत की हत्या के बाद उभरा जनाक्रोश प्राचीन भारतीय सामाजिक सोच को उभारने का प्रस्थान बिंदु बनेगा, जिसमें समायोजन होगा और मेलजोल भी।

श्रीगंगानगर की घटना से उठते सवाल- बचपन की असुरक्षा और समाज की विफलता

कुमार कृष्णन

हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक तेरह वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक यौन उत्पीड़न का मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं है। यह उस सामाजिक संकट का संकेत है, जिसकी आहट वर्षों से सुनाई दे रही है, लेकिन जिसे हम हर नई घटना के बाद कुछ दिनों के आक्रोश में भुला देते हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार एक नाबालिग छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ गंभीर अपराध किए जाने के आरोप हैं। पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है। न्यायालय का अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना जल्दबाजी होगी। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर उस प्रश्न को हमारे सामने खड़ा कर दिया है, जिससे बचना अब संभव नहीं–क्या भारत अपने बच्चों, विशेषकर अपनी बेटियों, को सुरक्षित बचपन दे पा रहा है?

हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है।

भारत में बाल यौन हिंसा का संकट नया नहीं है। पिछले डेढ़ दशक में ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ी है। इसका एक कारण यह भी है कि बच्चों के यौन शोषण को लेकर समाज में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता आई है और पॉक्सो कानून के लागू होने के बाद शिकायत दर्ज कराने का रास्ता अपेक्षाकृत स्पष्ट हुआ है। लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध आज भी भयावह स्तर पर मौजूद हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े लगातार बताते हैं कि हर वर्ष हजारों बच्चे यौन हिंसा का शिकार होते हैं। इनमें अधिकांश पीड़ित बच्चियां होती हैं और बड़ी संख्या में उनकी आयु किशोरावस्था से भी कम होती है।

इन आंकड़ों का सबसे भयावह पक्ष यह नहीं कि अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अजनबी नहीं होता। वह परिवार का परिचित, पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र या ऐसा व्यक्ति होता है जिस पर बच्चा और उसका परिवार भरोसा करता है। यानी खतरा बाहर से कम और भीतर से अधिक है। यह तथ्य हमारी पारंपरिक सुरक्षा की समझ को बदल देता है। हम बच्चों को अनजान लोगों से सावधान रहना सिखाते हैं, लेकिन क्या उन्हें यह भी सिखाते हैं कि किसी परिचित द्वारा अनुचित व्यवहार होने पर वे बिना भय अपनी बात कह सकें?

समाजशास्त्री लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि किसी भी समाज में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं होती। वह उस सामाजिक सोच का परिणाम होती है जिसमें शक्ति, प्रभुत्व और स्त्री के प्रति असमान दृष्टि गहराई से मौजूद होती है। जब स्त्री को बराबरी के मनुष्य के बजाय नियंत्रण और उपभोग की वस्तु की तरह देखने वाली मानसिकता संस्कृति, भाषा, मनोरंजन और रोजमर्रा के व्यवहार में सामान्य होने लगती है, तब उसके सबसे भयावह रूप बच्चों के विरुद्ध अपराधों में दिखाई देते हैं। इसलिए केवल अपराधियों को राक्षस कह देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह भी देखना होगा कि ऐसी मानसिकता पैदा कैसे होती है और समाज उसे रोकने में क्यों विफल रहता है।

भारतीय समाज का एक बड़ा विरोधाभास यही है कि एक ओर हम कन्या पूजन करते हैं, स्त्री को शक्ति का स्वरूप बताते हैं, दूसरी ओर बच्चियों के प्रति हिंसा की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं। यह विरोधाभास केवल धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार का प्रश्न है। सम्मान का अर्थ केवल प्रतीकात्मक पूजा नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सुरक्षा, समानता और गरिमा सुनिश्चित करना है। यदि एक बच्ची अपने घर, स्कूल, पड़ोस या सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो हमारी सांस्कृतिक घोषणाएँ खोखली

सिद्ध होती हैं।

श्रीगंगानगर की घटना ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है–क्या हमारे सार्वजनिक संस्थान बच्चों की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त सतर्क हैं? यदि किसी नाबालिग को संदिग्ध परिस्थितियों में लगातार विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाता है, तो क्या कहीं भी ऐसी व्यवस्था नहीं है जो समय रहते संदेह व्यक्त करे? यह प्रश्न केवल पुलिस का नहीं है। होटल, परिवहन तंत्र, स्थानीय समुदाय, बाल संरक्षण तंत्र और नागरिक समाज–सभी की भूमिका की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है। किसी भी सभ्य समाज में बच्चों की सुरक्षा केवल कानून की जिम्मेदारी नहीं होती; वह सामाजिक संस्कृति का हिस्सा होती है।

यही कारण है कि इस घटना को केवल एक क्राइम स्टोरी की तरह पढ़ना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारतीय समाज के बदलते चरित्र, संस्थागत जवाबदेही और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के व्यापक संदर्भ में समझना होगा। क्योंकि जब बचपन असुरक्षित होने लगे, तब संकट केवल कानून का नहीं रहता, वह राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। भारत ने बच्चों की सुरक्षा के लिए वर्ष 2012 में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) लागू किया। इस कानून ने पहली बार बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों की स्पष्ट परिभाषा दी, उनकी पहचान गोपनीय रखने का प्रावधान किया और त्वरित न्याय का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके बाद समय-समय पर कानून को और कठोर बनाया गया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल कठोर कानून बना देने से अपराध रुक जाते हैं?

वास्तविकता यह है कि कानून का प्रभाव उसकी कठोरता से नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होता है। देश में आज भी अनेक मामलों में जांच लंबी खिंच जाती है, फोरेंसिक रिपोर्ट आने में देरी होती है, गवाह मुकर जाते हैं, पीड़ित परिवार सामाजिक दबाव और आर्थिक कठिनाइयों से टूट जाता है तथा मुकदमे वर्षों तक अदालतों में लंबित रहते हैं। न्याय में देरी केवल पीड़ित के साथ अन्याय नहीं होती, बल्कि अपराधियों के भीतर यह विश्वास भी पैदा करती है कि दंड से बच निकलने की संभावना बनी हुई है। श्रीगंगानगर की घटना ने एक बार फिर यह प्रश्न उठाया है कि क्या हमारी संस्थाएं बच्चों की सुरक्षा के प्रति पर्याप्त संवेदनशील हैं। यदि कोई नाबालिग कई दिनों तक संदिग्ध परिस्थितियों में विभिन्न स्थानों पर रहती है, तो क्या किसी स्तर पर चेतावनी की घंटी नहीं बजनी चाहिए? होटल, परिवहन व्यवस्था, स्थानीय प्रशासन और नागरिक समाज–सभी की अपनी-अपनी जिम्मेदारी है। विकसित देशों में होटल उद्योग और सार्वजनिक संस्थानों के कर्मचारियों को मानव तस्करी तथा बाल शोषण की पहचान के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। भारत में भी ऐसी व्यवस्था को गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है।

लेकिन इस पूरे विमर्श का सबसे कठिन पक्ष समाज के भीतर छिपा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और विभिन्न अध्ययनों से यह तथ्य सामने आता रहा है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अपरिचित व्यक्ति नहीं होता। वह परिवार का सदस्य, रिश्तेदार, पड़ोसी, शिक्षक, मित्र या परिचित होता है। इसका अर्थ यह है कि बच्चों की सुरक्षा का संकट केवल सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है; वह विश्वास के दायरे के भीतर भी मौजूद है। यह स्थिति परिवारों के सामने नई चुनौती खड़ी करती है।

भारतीय परिवारों में यौन शिक्षा को लेकर आज भी असहजता है। माता-पिता बच्चों से इस विषय पर खुलकर बात करने से बचते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चे अनुचित व्यवहार की पहचान ही नहीं कर पाते या पहचान लेने के बाद भी भय, शर्म और अपराधबोध के कारण अपनी बात किसी से नहीं कह पाते। यही मौन अपराधियों की सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। विद्यालयों में गुड टच-बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और सहायता मांगने की प्रक्रिया पर व्यवस्थित शिक्षा अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है।

डिजिटल युग ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने ज्ञान के नए अवसर दिए हैं, लेकिन अश्लील सामग्री, ऑनलाइन ग्रूमिंग, साइबर ब्लैकमेल और यौन शोषण के नए रास्ते भी खोले हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के दौर में बच्चों की सुरक्षा केवल भौतिक दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। अभिभावकों और शिक्षकों को डिजिटल दुनिया की चुनौतियों को समझना होगा। निगरानी और विश्वास के बीच संतुलन बनाना आज पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

समाज को भी अपने भीतर झांकना होगा। क्या हम बच्चों के प्रति सचमुच संवेदनशील हैं? क्या किसी बच्चे की असामान्य स्थिति देखकर हम हस्तक्षेप करते हैं, या यह सोचकर आगे बढ़ जाते हैं कि यह किसी और का मामला है? नागरिक जिम्मेदारी का अर्थ केवल मतदान करना या कर देना नहीं है। यदि समाज अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा के प्रति सजग नहीं है, तो लोकतंत्र का नैतिक आधार भी कमजोर पड़ जाता है।

मीडिया की भूमिका पर भी गंभीर विचार की आवश्यकता है। लोकतंत्र में स्वतंत्र पत्रकारिता अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चों से जुड़े यौन अपराधों की रिपोर्टिंग में संवेदनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए। पीड़ित की पहचान की रक्षा, अपुष्ट सूचनाओं से बचाव और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान–ये केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि पत्रकारिता की नैतिक जिम्मेदारियां भी हैं। दुर्भाग्य से कई बार प्रतिस्पर्धा और सनसनी के कारण इन मूल्यों की उपेक्षा होती है। इससे पीड़ित और उसके परिवार की पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। यह भी ध्यान रखना होगा कि हर ऐसी घटना को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बना देना समस्या का समाधान नहीं है। अपराधी का कोई धर्म, जाति या दल नहीं होता; उसका केवल अपराध होता है। बच्चों की सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बननी चाहिए। यह विषय चुनावी बहस का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प का होना चाहिए।

यदि इस संकट का समाधान केवल कठोर दंड में खोजा जाएगा, तो हम समस्या के केवल एक हिस्से को ही संबोधित करेंगे। दंड आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है अपराध की सामाजिक जमीन को कमजोर करना। यह तभी संभव होगा जब बाल सुरक्षा को कानून-व्यवस्था के सीमित दायरे से निकालकर सार्वजनिक नीति और सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए।

सबसे पहले न्याय व्यवस्था को अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाना होगा। पॉक्सो के मामलों की जांच के लिए प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों, आधुनिक फोरेंसिक प्रयोगशालाओं और समयबद्ध अभियोजन की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। फास्ट ट्रैक अदालतों का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब वे वास्तव में त्वरित न्याय दें। न्याय में अनावश्यक विलंब केवल पीड़ित का विश्वास ही नहीं तोड़ता, बल्कि कानून के प्रति समाज का भरोसा भी कमजोर करता है।

दूसरा, बाल संरक्षण की संस्थाओं को अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता है। स्कूल, आंगनवाड़ी, बाल कल्याण समितियां, जिला बाल संरक्षण इकाइयां और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा संबंधी नियमित प्रशिक्षण, परामर्श सेवाएं और शिकायत तंत्र विकसित किए जाएं। प्रत्येक विद्यालय में ऐसा वातावरण बने, जहां कोई बच्चा बिना भय अपनी बात कह सके।

तीसरा, परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। भारतीय परिवारों में बच्चों से संवाद का दायरा अक्सर पढ़ाई, अनुशासन और भविष्य तक सीमित रहता है। अब समय आ गया है कि माता-पिता बच्चों से उनके अनुभवों, भय, मित्रों, डिजिटल गतिविधियों और व्यक्तिगत सुरक्षा पर भी खुलकर बातचीत करें। विश्वास का संबंध किसी भी सुरक्षा व्यवस्था की पहली शर्त है। जिस बच्चे को यह भरोसा हो कि उसकी बात सुनी जाएगी और उस पर विश्वास किया जाएगा, वह संकट की स्थिति में चुप नहीं रहेगा।

चौथा, समाज को अपनी संवेदनशीलता पुनः अर्जित करनी होगी। हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सार्वजनिक जीवन में उदासीनता बढ़ती जा रही है। लोग किसी संदिग्ध स्थिति को देखकर भी हस्तक्षेप करने से बचते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। एक सजग नागरिक केवल कानून का पालन करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह अपने आसपास घट रही असामान्य घटनाओं के प्रति भी जिम्मेदार होता है। बच्चों की सुरक्षा सामुदायिक जिम्मेदारी है, केवल पुलिस की नहीं।

डिजिटल माध्यमों की बढ़ती पहुंच को देखते हुए सरकार, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज को मिलकर ऑनलाइन बाल सुरक्षा के लिए भी व्यापक अभियान चलाना होगा। इंटरनेट आज बच्चों की शिक्षा का माध्यम भी है और खतरे का रास्ता भी। इसलिए डिजिटल साक्षरता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। मीडिया को भी आत्मसंयम का परिचय देना होगा। किसी भी नाबालिग पीड़ित की गरिमा सर्वोच्च होनी चाहिए। सनसनी, अपुष्ट दावे और भावनात्मक उत्तेजना से अधिक महत्वपूर्ण तथ्य, संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान है। पत्रकारिता का धर्म समाज को जागरूक करना है, भय और उत्तेजना फैलाना नहीं।

श्रीगंगानगर की घटना का अंतिम निर्णय न्यायालय करेगा। दोषी कौन हैं, किसकी क्या भूमिका रही, यह कानून तय करेगा। लेकिन इस घटना ने जो प्रश्न समाज के सामने रखे हैं, उनका उत्तर अदालत नहीं दे सकती। उनका उत्तर हमें देना होगा। हमें यह तय करना होगा कि क्या हम हर भयावह घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त कर फिर सामान्य हो जाने वाला समाज बने रहेंगे, या ऐसी परिस्थितियां पैदा करेंगे जिनमें बच्चों के विरुद्ध अपराध करना कठिन हो जाए।

किसी राष्ट्र की सभ्यता का मूल्यांकन उसके सकल घरेलू उत्पाद, राजमार्गों, स्मार्ट शहरों या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं किया जाता। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होता है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों की कितनी रक्षा करता है। बच्चे किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि उनका बचपन भय, हिंसा और असुरक्षा में बीते, तो विकास की हर उपलब्धि अपना नैतिक अर्थ खो देती है।

भारत आज विश्वगुरु बनने, विकसित राष्ट्र बनने और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखता है। यह लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब देश का हर बच्चा और हर बच्ची भयमुक्त वातावरण में जी सके। सुरक्षित बचपन केवल सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है। संविधान ने प्रत्येक बच्चे को गरिमा, समानता और जीवन का अधिकार दिया है। उन अधिकारों की रक्षा केवल न्यायालयों का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है।

श्रीगंगानगर की घटना को यदि हम केवल एक समाचार बनाकर भूल गए, तो यह हमारी सबसे बड़ी नैतिक पराजय होगी। लेकिन यदि यह घटना हमें अपने सामाजिक व्यवहार, संस्थागत व्यवस्थाओं और सार्वजनिक नीतियों की गंभीर समीक्षा के लिए प्रेरित करती है, तो शायद उन असंख्य बच्चों के भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा, जिनकी आवाज आज भी हमारे शोर में दब जाती है।

प्रश्न केवल इतना नहीं है कि अपराधियों को कितनी कठोर सजा मिलेगी। उससे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम ऐसा भारत बना पाएंगे, जहां किसी बच्ची का बचपन भय के साए में न बीते। इसी प्रश्न का उत्तर आने वाले समय में हमारे समाज की वास्तविक पहचान तय करेगा।

संक्षिप्त समाचार

26 साल की सबसे बड़ी कटौती, सऊदी अरब ने सस्ता किया कच्चा तेल

रियाद , एजेंसी। सऊदी अरब ने अगस्त के लिए कच्चे तेल की कीमत में 26 साल की सबसे बड़ी कटौती कर दी है। इससे वैश्विक तेल बाजार में हलचल तेज हो गई है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए यह राहत की खबर मानी जा रही है। लेकिन आखिर सऊदी अरब ने इतना बड़ा फैसला क्यों लिया? क्या इससे पेट्रोल-डीजल सस्ता होगा और महंगाई पर कितना असर पड़ेगा? दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में शामिल सऊदी अरब ने कच्चे तेल की कीमत में 26 वर्षों की सबसे बड़ी कटौती कर वैश्विक ऊर्जा बाजार को चौंका दिया है। अगस्त के लिए अरब लाइट क्रूड की कीमत में 11 डॉलर प्रति बैरल की कमी की गई है। इससे पहले जुलाई के लिए भी 6 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की गई थी। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से सामान्य होने के बाद तेल की आपूर्ति बढ़ गई है और बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा भारत जैसे देशों को मिल सकता है, जो अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करते हैं।

चीन में भूस्खलन से 33 लोग दबे : 17 को बचाया गया, 16 की तलाश जारी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के पश्चिमी गांसू प्रांत के पहाड़ी इलाके में मंगलवार को हुए भूस्खलन में 33 लोग मलबे में दब गए। सरकारी मीडिया के मुताबिक, अब तक 17 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि 16 लोग अब भी लापता हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सभी प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, सेंट्रल चीन के हुबेई प्रांत में सोमवार रात आए तेज तूफान और आंधी-बारिश से कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 275 लोग घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता है। मौसम विभाग के मुताबिक, कई इलाकों में 149 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। अगले 24 घंटे में 260 मिमी तक बारिश होने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन के मौसम विभाग ने सुपर टाइफून 'बावी' को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। यह तूफान 290 किमी/घंटा तक की रफ्तार वाली हवाओं के साथ प्रशांत महासागर से ताइवान की ओर बढ़ रहा है। अधिकारियों ने लोगों को सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

ढाका के पास नेशनल सिटिजन पार्टी' की रैली में जोरदार बम धमाका

ढाका, एजेंसी। पड़ोसी देश बांग्लादेश से एक बार फिर हिंसा और अशांति की बड़ी खबर सामने आ रही है। राजधानी ढाका के नजदीकी इलाके सावर में सोमवार को एक राजनीतिक रैली के दौरान जोरदार बम धमाका हुआ. जानकारी के मुताबिक, यह धमाका नवनिर्मित राजनीतिक दल 'नेशनल सिटिजन पार्टी' द्वारा आयोजित एक मार्च के दौरान हुआ। धमाके के वक्त रैली को एक महिला नेता संबोधित कर रही थीं, तभी अचानक जनता के बीच एक बम फटा, जिससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। इस घटना में कम से कम तीन लोगों के घायल होने की खबर है। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है, हालांकि उनकी वर्तमान स्थिति के बारे में अभी भी पूरी जानकारी नहीं मिली है। घटना का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि मंच से भाषण जारी रहने के दौरान अचानक तेज आवाज के साथ धमाका होता है और धुआं उठने लगता है। धमाके के बाद रैली स्थल पर लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए।

टीटीपी ने पाकिस्तान वायु सेना के ग्रुप कैप्टन की हत्या की जिम्मेदारी ली

इस्लामाबाद, एजेंसी। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तानने रविवार दोपहर इस्लामाबाद में पाकिस्तान वायु सेना के ग्रुप कैप्टन आसिम तारिक की हत्या की जिम्मेदारी ली है। गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान 22 वर्षीय साद अब्बासी के रूप में हुई है। टीटीपी ने सोशल मीडिया पर मोबाइल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज जारी किया। इसमें अधिकारी अपनी कार में सीट बेल्ट पहने दिख रहे हैं। यह फुटेज इस्लामाबाद पुलिस के उस दावे का खंडन करता है कि अधिकारी ने सड़क पर एक महिला को अपहरणकर्ता से बचाया था। टीटीपी ने कहा कि उसकी 'स्पेशल टारगेट किलर्स यूनिट' ने यह हत्या की। सूत्रों के अनुसार, तारिक खुफिया निदेशालय से जुड़े थे। इस निदेशालय ने हाल ही में अफगानिस्तान में ड्रोन हमले के लिए निर्देशांक प्रदान किए थे, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों और महिलाओं की मौत हुई थी। वह 'ऑपरेशन बुनियान-उम-मरसूस' में भी शामिल थे। यह ऑपरेशन पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में शुरू किया था। इस्लामाबाद पुलिस ने अब्बासी के खिलाफ हत्या और आतंकवाद के आरोप में मामला दर्ज किया।

गद्दाफी के देश में शांति लाएगा पाकिस्तान? 2 दुश्मनों की दोस्ती कराने में जुटे मुनीर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की कूटनीति को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कराने के बाद, अब पाकिस्तान युद्ध की आग में झुलस रहे लीबिया में भी 'शांति दूत' बनने की कोशिश कर रहा है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने लीबिया के दो धुर विरोधी गुटों यानी पूर्वी और पश्चिमी सत्ता केंद्रों के बीच गुपचुप तरीके से मध्यस्थता शुरू कर दी है। हालांकि इसके पीछे पाकिस्तान का खुद का लालच छिपा है। यह लालच पैसों से जुड़ा है।

लीबिया के दोनों गुटों ने खुद की थी पाकिस्तान से अपील : साल 2011 में नाटो समर्थित विद्रोह के दौरान मुअम्मर गद्दाफी की सत्ता खत्म होने के बाद से ही लीबिया गृहयुद्ध का सामना कर रहा है। तब से यह देश पूर्वी और पश्चिमी प्रतिद्वंद्वी प्रशासनों में बंटा हुआ है। पिछले कुछ महीनों से अमेरिका यहां कूटनीतिक समाधान निकालने की कोशिश कर रहा था।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने मध्यस्थता की यह कोशिशें पिछले साल के अंत में शुरू की थीं। दिलचस्प बात यह है कि लीबिया के दोनों प्रतिद्वंद्वी पक्षों ने खुद इस्लामाबाद से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था। अमेरिका 'पूरी तरह वाकिफ', सऊदी अरब का भी मिल रहा बैकअप रॉयटर्स की रिपोर्ट में पाकिस्तानी सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि अमेरिका इस्लामाबाद की इस भूमिका से 'पूरी तरह वाकिफ' है और इसमें शामिल भी है। पाकिस्तान के इस प्रयास को सऊदी अरब का भी समर्थन मिल रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल ही इस्लामाबाद ने सऊदी अरब के साथ एक रक्षा समझौता किया था। लीबिया में पाकिस्तान का यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच हुई हालिया मध्यस्थता के ठीक बाद उठाया गया है। ईरान वाले मामले में भी पाकिस्तान ने अहम भूमिका निभाई थी, जिसके लिए ट्रंप प्रशासन ने उसकी जमकर तारीफ की थी। पिछले महीने पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज, फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने रावलपिंडी में लीबिया के सैन्य प्रमुख सद्दाम हफ्तार से मुलाकात की थी। इसके कुछ ही दिनों बाद हफ्तार ने वाशिंगटन का दौरा किया और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की थी। तब अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट ने बयान जारी कर लीबियाई नेताओं के प्रयासों का स्वागत करते हुए लीबिया की एकता के लिए अमेरिकी समर्थन दोहराया था। मध्यस्थता के साथ-साथ पाकिस्तानी अधिकारी पूर्वी लीबिया स्थित सेना के साथ रक्षा संबंधों को भी आगे बढ़ा रहे हैं। इस रक्षा साझेदारी में पाकिस्तान द्वारा लीबिया को जे.एफ-17 लड़ाकू विमान बेचे जाने की संभावना भी शामिल है। यानी पाकिस्तान अपने चीन की मदद से बने जहाज बेंचकर लीबिया से पैसे कमाना चाहता है।

अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं : इस पूरे मामले में अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान अन्य क्षेत्रीय हितधारकों के साथ किस हद तक समन्वय कर रहा है। इस 'सीक्रेट' मध्यस्थता रिपोर्ट पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय, सेना की मीडिया विंग (ISPR), पश्चिमी और पूर्वी लीबियाई अधिकारियों के साथ-साथ कतर, तुर्किये, सऊदी अरब व अमेरिका के विदेश मंत्रालयों की तरफ से फिलहाल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान तट के पास टैंकर पर हमला, लगी भीषण आग

मस्कट, एजेंसी। ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य में मंगलवार सुबह एक टैंकर पर हमला हुआ। ब्रिटिश सेना ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मंगलवार तड़के ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे एक टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स सेंटर ने बताया कि टैंकर को जलडमरूमध्य में ओमान के लिमाह के पास निशाना बनाया गया।वहीं, ईरान के सरकारी टेलीविजन ने दावा किया है कि जहाज ने पहले जारी की गई चेतावनियों को नजरअंदाज किया था, जिसके बाद उस पर कार्रवाई की गई। फिलहाल जहाज की स्थिति, नुकसान या किसी के हताहत होने की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सेंटर के मुताबिक, यह हमला तब हुआ जब टैंकर जलडमरूमध्य से दक्षिण की ओर गल्फ ऑफ ओमान की तरफ जा रहा था। प्रोजेक्टाइल जहाज के बाईं ओर (पोर्ट साइड) लगा। इस हमले से पर्यावरण पर कोई नुकसान नहीं हुआ है और अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी ने नहीं ली है, हालांकि हाल के दिनों में ओमान के पास के रास्ते से गुजरने वाले कम से कम दो अन्य जहाजों पर हुए हमलों के लिए ईरान पर शक जताया गया है। हालांकि, अमेरिका इस जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने के लिए ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ना चाहता है। अमेरिका का उद्देश्य ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम को वापस लेना और 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध को हमेशा के लिए समाप्त करना है। लेकिन पहले हुए ऐसे हमलों के बाद अमेरिका ने जवाबी कार्रवाई की थी, जिसके बाद ईरान ने खाड़ी के अरब देशों पर हमले किए। इससे तनाव बढ़ने का खतरा रहता है।

इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत फिलहाल रुकी हुई है। यह बातचीत ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के दफन होने तक रुकी रहेगी। खामेनेई युद्ध की शुरुआत में मारे गए थे। उनके अंतिम संस्कार में शामिल लोग अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मौत की सजा देने की मांग कर रहे हैं। अधिकारी खामेनेई के शव को रात में शिया मदरसा शहर कोम ले गए, जहां मंगलवार को उन्हें सम्मानित किया जाएगा।

चीन में घूसखोर अफसर को मिली मौत की सजा, 30 साल में जुटाई थी अरबों की संपत्ति

बीजिंग, एजेंसी। चीन की एक अदालत ने रिश्वत लेने के मामले में एक पूर्व स्थानीय अधिकारी को मौत की सजा सुनाई है। अधिकारियों के मुताबिक, उसने करीब 30 साल तक अपने पद का दुरुपयोग कर भारी मात्रा में रिश्वत ली। उन्होंने बताया कि दोषी अधिकारी ने रिश्वत के जरिए 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर या करीब 3 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति जुटाई थी। पूर्व अधिकारी की पहचान यांग यौलिन के रूप में हुई है जो चीन के पूर्वी तट पर स्थित जियांगसू प्रांत की राजधानी नानजिंग में आर्थिक विकास से जुड़ा था। चांगझोउ इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि यांग ने वर्ष 1993 से 2023 के बीच अवैध रूप से 2.21 अरब युआन (करीब 325 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 30 अरब रुपये) मूल्य की नकदी, संपत्ति और अन्य परिसंपत्तियां रिश्वत के रूप में स्वीकार कीं। कोर्ट के मुताबिक, यांग ने विभिन्न लोगों और कंपनियों से प्रोजेक्ट दिलाने, कारोबारी कामकाज में मदद करने, जमीन आवंटित कराने और फंड उपलब्ध कराने के बदले रिश्वत ली। कोर्ट ने यांग को केवल रिश्वतखोरी का ही नहीं, बल्कि गबन, रिश्वत देने, पद के दुरुपयोग और मनी लॉन्ड्रिंग का भी दोषी ठहराया है। हाल के वर्षों में रिश्वत की रकम के लिहाज से इसे चीन के सबसे बड़े करप्शन केस में से एक माना जा रहा है। कोर्ट ने बताया कि सुनवाई के दौरान अपने अंतिम बयान में यांग ने अपने अपराध स्वीकार किए और अपने किए पर गहरा पछतावा और अपराधबोध व्यक्त किया। कोर्ट की ओर से जारी तस्वीरों में सफेद बालों वाले यांग गहरे रंग की जैकेट पहने हुए 2 वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के बीच खड़े दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि इस केस की सार्वजनिक सुनवाई मार्च और अप्रैल में 2 अलग-अलग दिनों में हुई थी। कोर्ट के मुताबिक, दोनों सुनवाई के दौरान 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया कि यांग की व्यक्तिगत संपत्ति जब्त की जाएगी। साथ ही अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि रिश्वत के रूप में ली गई पूरी रकम की वसूली की जाए। यांग के खिलाफ कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के लंबे समय से चल रहे भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के तहत हुई। यह अभियान पिछले एक दशक से जारी है।

ट्रंप ने कहा कि व्हाइट हाउस का नवीनीकरण अमेरिका के पुनरुत्थान को दर्शाता है

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि व्हाइट हाउस का रेस्टोरेशन अमेरिका के बड़े रिन्यूअल का सिंबल है. उन्होंने कहा कि देश की सबसे जानी-मानी बिल्डिंग को देश की ताकत, इतिहास और कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए. रोज गार्डन में ट्रंप ने अपनी बातों का एक बड़ा हिस्सा व्हाइट हाउस के रेनोवेशन पर दिया. और इस काम को बचाने की कोशिश और देश के भविष्य के बारे में एक बयान, दोनों बताया. ट्रंप ने कहा, 'हम व्हाइट हाउस में बहुत सारा प्यार वापस डाल रहे हैं क्योंकि, सच कहूँ तो, इसके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया गया था. राष्ट्रपति ने यह बताते हुए शुरुआत की कि रोज गार्डन में हाल ही में बड़े बदलाव क्यों हुए हैं, उन्होंने कहा कि साइट की दलदली जमीन के कारण असली लॉन काम का नहीं रहा. उन्होंने कहा, 'व्हाइट हाउस एक वेटलैंड पर बना था, और घास हमेशा

बहुत गीली रहती थी,' और कहा कि विजिटर्स के जूते उसमें धंस जाते थे जिसे उन्होंने क्विकसैंड पिट बताया. उन्होंने कहा, 'नई ग्रेनाइट की सड़क को जमीन को बचाने के लिए डिजाइन किया गया था, साथ ही ऑफिशियल सेरेमनी के लिए जगह को ज़्यादा इस्तेमाल करने लायक बनाया गया था.' ट्रंप ने प्रेसिडेंशियल वॉक ऑफ फेम को भी हाईलाइट किया. साथ ही वेस्ट विंग के रास्तों और व्हाइट हाउस के ऐतिहासिक कॉलम पर रेस्टोरेशन का काम भी किया गया. उन्होंने कहा कि वर्कर्स ने ओरिजिनल आर्किटेक्चरल डिटेल्स को ठीक करने के लिए एक सदी से ज़्यादा पुराना पेंट हटा दिया था. ट्रंप ने कहा, 'हमने कॉलम से लगभग 150 साल पुराना पेंट हटा दिया है. आप डिटेल्स भी नहीं देख सकते थे.' राष्ट्रपति ने कहा कि इस प्रोजेक्ट का मकसद सिर्फ व्हाइट हाउस को मॉडर्न बनाना नहीं था, बल्कि अमेरिका के सबसे जरूरी नेशनल लैंडमार्क में से एक को बचाना भी था. उन्होंने कहा, 'यह हर 200 साल में होगा. आपको कोई न कोई ऐसा मिल जाएगा जो इसे वापस लाएगा ट्रंप ने बार-बार व्हाइट हाउस की तुलना विदेशों की ऐतिहासिक इमारतों से की, विंडसर कैसल और चीन के ग्रेट हॉल के दौरे को याद करते हुए. विंडसर कैसल के बारे में बात करते हुए उन्होंने किंग चार्ल्स III के साथ विलियम द कॉन्करर के साथ हुई बातचीत को याद किया. तभी मजाक में कहा कि शायद ब्रिटिश राजा को 'चार्ल्स द कॉन्करर' कहा जाना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के पास दुनिया की दूसरी ताकतों के बराबर या उनसे बेहतर सेरेमोनियल सुविधाएं होनी चाहिए. ट्रंप ने कहा, 'मैं हाल ही में चीन के ग्रेट हॉल में था. उनके पास एक बहुत बड़ा बॉलरूम है. हम एक ऐसा बॉलरूम बनाने जा रहे हैं जो सबसे ऊपर होगा.' पूरे भाषण में ट्रंप ने व्हाइट हाउस को सिर्फ एक घर या काम की जगह से कहीं ज़्यादा बताया. 'प्रेसिडेंट ने नए जन्मे अमेरिकियों के लिए अपने एडमिनिस्ट्रेशन के 'ट्रंप अकाउंट्स' प्रोग्राम को लॉन्च करते हुए यह बात कही, लेकिन बार-बार उन इंस्टीट्यूशन को ठीक करने की थीम पर लौट आए। ट्रंप का लेटेस्ट रेनोवेशन प्रोग्राम जिसमें रोज गार्डन, ग्राउंड और एक प्रस्तावित नए बॉलरूम पर काम शामिल है।

मेलोनी पर ट्रंप के तंज को लेकर इटली ने दिखाया अमेरिकी राष्ट्रपति को आईना

रोम , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच जुबानी जंग एक बार फिर तेज हो गई है। तुर्किये में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से ठीक पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मेलोनी का मजाक उड़ाते हुए एक पोस्ट साझा किया। इसके जवाब में इटली ने कहा कि नेताओं के आने-जाने से देशों के रिश्ते नहीं बदलते। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर मेलोनी की एक संपादित तस्वीर साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'मुझसे दूरी बनाए रखने का आदेश (रिस्ट्रेनिंग ऑर्डर) चाहिए।' यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब दोनों नेताओं की इस सप्ताह नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात होने की संभावना है।

इटली के नेताओं ने ट्रंप की टिप्पणी पर दिया क्या जवाब : ट्रंप की टिप्पणी पर इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेत्तो ने कहा कि इस पोस्ट पर उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं है। उन्होंने कहा, 'सबसे अहम बात अमेरिका जैसे महत्वपूर्ण सहयोगी देश के साथ रिश्ते बनाए रखना है। लोग आते-जाते रहते हैं, लेकिन रिश्ते बने रहते हैं। इटली के विदेश मंत्री अंतोनियो तायानी ने भी विवाद को ज्यादा तूल नहीं दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा भरोसा है कि दोनों देशों के संबंध किसी एक व्यक्ति की टिप्पणी से कहीं बड़े हैं।' हालांकि, प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप की ताजा टिप्पणी पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

जी-7 सम्मेलन के बाद शुरू हुई थी तल्खी : दोनों नेताओं के बीच तनाव की शुरुआत हाल ही में हुए जी-7 शिखर सम्मेलन के बाद हुई थी। पिछले महीने ट्रंप ने दावा किया था कि सम्मेलन के दौरान मेलोनी ने उनसे कई बार तस्वीर खिंचवाने का अनुरोध किया था और उन्होंने सिर्फ इसलिए इसकी अनुमति दी क्योंकि उन्हें 'उन पर तरस आ गया था।' ट्रंप ने यह भी आरोप लगाया था कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं करने के बाद मेलोनी घरेलू राजनीतिक कारणों से अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही हैं। मेलोनी ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था, 'ये लगातार और बिना किसी वजह के किए जा रहे हमले पूरी तरह निरर्थक हैं।' उन्होंने ट्रंप को जवाब देते हुए कहा था, 'आपकी दोस्त होने से मेरी लोकप्रियता नहीं बढ़ी है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें।' एक अन्य साक्षात्कार में मेलोनी ने कहा था, 'इटली और मैं कभी किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते। मैं अमेरिका विरोधी नहीं हूं, लेकिन मजबूत रिश्ते स्पष्ट बातचीत पर भी टिके होते हैं और मैं साफ बात करने वाली व्यक्ति हूं।' ट्रंप और मेलोनी को लंबे समय तक समान विचारधारा वाला सहयोगी माना जाता रहा है। अवैध प्रवासन, रूढ़िवादी राजनीति और पश्चिमी देशों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दों पर दोनों की सोच मिलती रही है।

चीन में कुदरत का कहर: हुबेई में तूफान और बिजली गिरने से 8 की मौत, अब सुपर टाइफून 'बावी' का खतरा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के मध्य हिस्से में स्थित हुबेई प्रांत में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया है। सोमवार शाम को आए विनाशकारी आंधी-तूफान और गरज के साथ हुई भारी बारिश ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। स्थानीय प्रशासन और सरकारी मीडिया द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में अब तक कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई है। हुबेई के आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने जानकारी दी है कि यह तूफान इतना शक्तिशाली था कि इसने कुछ ही घंटों में पूरे क्षेत्र के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया।

कई शहरों में 149 किमी/घंटा की रफ्तार से चली हवाएं : शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार शाम को महज चार घंटों के भीतर हुबेई के कई प्रमुख शहरों में 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विनाशकारी हवाएं चलीं। इन तेज हवाओं ने हुआंग्शी, हुआंगगांग , एझोउ और जियानिंग जैसे शहरों में भीषण नुकसान पहुंचाया है। सड़कों पर सैकड़ों पेड़ उखड़ गए, बिजली के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची और कई घरों की छतें उड़ गईं, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। राहत और बचाव कार्य जारी हैं, लेकिन खराब मौसम बाधा बना हुआ है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी जारी की है कि खतरा अभी टला नहीं है और आने वाले समय में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, देश के उन विभिन्न हिस्सों में जहां लगभग 20 करोड़ लोग निवास करते हैं, वहां मूसलाधार बारिश और बवंडर आने की संभावना बनी हुई है। वहीं, दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के गुआंग्शी और पूर्वी प्रांतों जियांग्सू और शेडोंग में अगले 24 घंटों के भीतर 260 मिमी तक की अत्यधिक भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। यह भारी बारिश न केवल शहरी इलाकों में बाढ़ ला सकती है, बल्कि पहाड़ी क्षेत्रों में खतरनाक भूस्खलन भी हो सकता है। एक तरफ जहां चीन की मुख्य भूमि तूफानों से जूझ रही है, वहीं दूसरी तरफ प्रशांत महासागर में उठा सुपर टाइफून 'बावी' ताइवान की ओर तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, यह चक्रवात 180 मील प्रति घंटे की प्रचंड और विनाशकारी रफ्तार वाली हवाओं के साथ आगे बढ़ रहा है।

2,000 साल पहले थाईलैंड गए थे भारत के व्यापारी, खुदाई में मिले बहुत बड़े सबूत

बैंकॉक, एजेंसी। आज भारतीयों के बीच एक लोकप्रिय टूरिस्ट डेस्टिनेशन बना थाईलैंड हजारों साल पहले भी भारत से जुड़ा हुआ था। हाल ही में एक खोज ने यह बात साबित कर दी है। दरअसल थाईलैंड में बीते दिनों इतिहासकारों को एक ऐतिहासिक कामयाबी मिली। यहां पश्चिमी थाईलैंड में चल रही खुदाई के दौरान करीब 2,000 साल पुरानी 2 सोने की अंगूठियां मिली हैं। इन अंगूठियों का संबंध भारत से बताया जा रहा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इनमें से एक अंगूठी पर प्राचीन भारतीय 'ब्राह्मी' लिपि में कुछ लिखा हुआ है। अब वैज्ञानिक इसे दो हजार साल पहले भारत और थाईलैंड के बीच मजबूत व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों का जीता-जागता सबूत बता रहे हैं।

थाईलैंड के फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, ये अंगूठियां पिछले हफ्ते पेत्चाबुरी प्रांत के दोन याई थोंग साइट पर मिली हैं। वैज्ञानिक यहां मानव कंकालों की खुदाई कर रहे थे। जानकारी के मुताबिक विशेषज्ञों ने जब इन अंगूठियों की शुरुआती जांच की, तो एक के बाद एक इतिहास के कई पन्ने खुलते चले गए।

अंगूठियों पर क्या लिखा है : एक अंगूठी पर ब्राह्मी लिपि में लिखे अक्षरों को डिकोड किया गया तो उस पर 'पुस रखितस' लिखा हुआ मिला। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका अर्थ होता है, 'वह व्यक्ति जिसे पुष्य का संरक्षण प्राप्त है।' बता दें कि भारतीय ज्योतिष और खगोल विज्ञान में पुष्य को सबसे शुभ और कल्याणकारी नक्षत्र माना जाता है। वहीं एक अन्य अंगूठी भी मिली है। इस पर कुछ लिखा हुआ नहीं है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ये दोनों अंगूठियां प्राचीन भारतीय जाति व्यवस्था के 'वैश्य' समुदाय के किसी अमीर व्यापारी की रही होंगी, जो उस दौर में व्यापार के सिलसिले में थाईलैंड आया होगा।

पुरातत्व विभाग के हाथ लगा खजाना : थाईलैंड में यह खुदाई आखिर शुरू क्यों हुई? रिपोर्ट्स के मुताबिक बैंकॉक से लगभग 130 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस साइट की खोज इस साल की शुरुआत में ही हुई। यहां स्थानीय ग्रामीणों को एक धान के खेत में प्राचीन चीजें मिलीं। इसके बाद सरकार ने बड़े पैमाने पर खुदाई शुरू करवाई। फरवरी से अब तक यहां 8 मानव कंकाल, कांसे और सोने के गहने और प्राचीन मिट्टी के बर्तन मिल चुके हैं। वैज्ञानिकों ने इस साइट को थाईलैंड के आयरन एज के समय का यानी आज से 1,500 से 2,500 साल पुराना बताया है। अगले महीने खुदाई पूरी होने के बाद इन्हें आम जनता के प्रदर्शन के लिए रखा जाएगा।

राखीगढ़ी के राज भी खुलेंगे : थाईलैंड में मिली बड़ी कामयाबी के बीच भारत में सिंधु घाटी सभ्यता को लेकर एक बड़ी हलचल हुई है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने हरियाणा के ऐतिहासिक स्थल राखीगढ़ी से खुदाई में मिले मानव कंकालों को वैज्ञानिक और डीएनए विश्लेषण के लिए भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण (को सौंप दिया है। संस्कृति मंत्रालय के मुताबिक दोनों संस्थानों के बीच हुए एक नए समझौते के तहत अब राखीगढ़ी के कंकालों पर अत्याधुनिक मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च होगी। गौरतलब है कि राखीगढ़ी सिंधु घाटी सभ्यता का सबसे बड़ा ज्ञात स्थल है। यहां का ड्रेनेज सिस्टम, बेहतरीन टाउन प्लानिंग और अब इन कंकालों के वैज्ञानिक टेस्ट से प्राचीन भारतीयों के रहन-सहन और उनके जेनेटिक्स को लेकर कई बड़े और खुलासे होने की उम्मीद है।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को ܍देवताओं की घाटी܍ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू – देवताओं की घाटी

कुल्लू को ܍देवताओं की घाटी܍ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर– यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा– यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हज़ारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर– एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली– साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर– यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली– स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास– यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड– यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे ?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है- प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

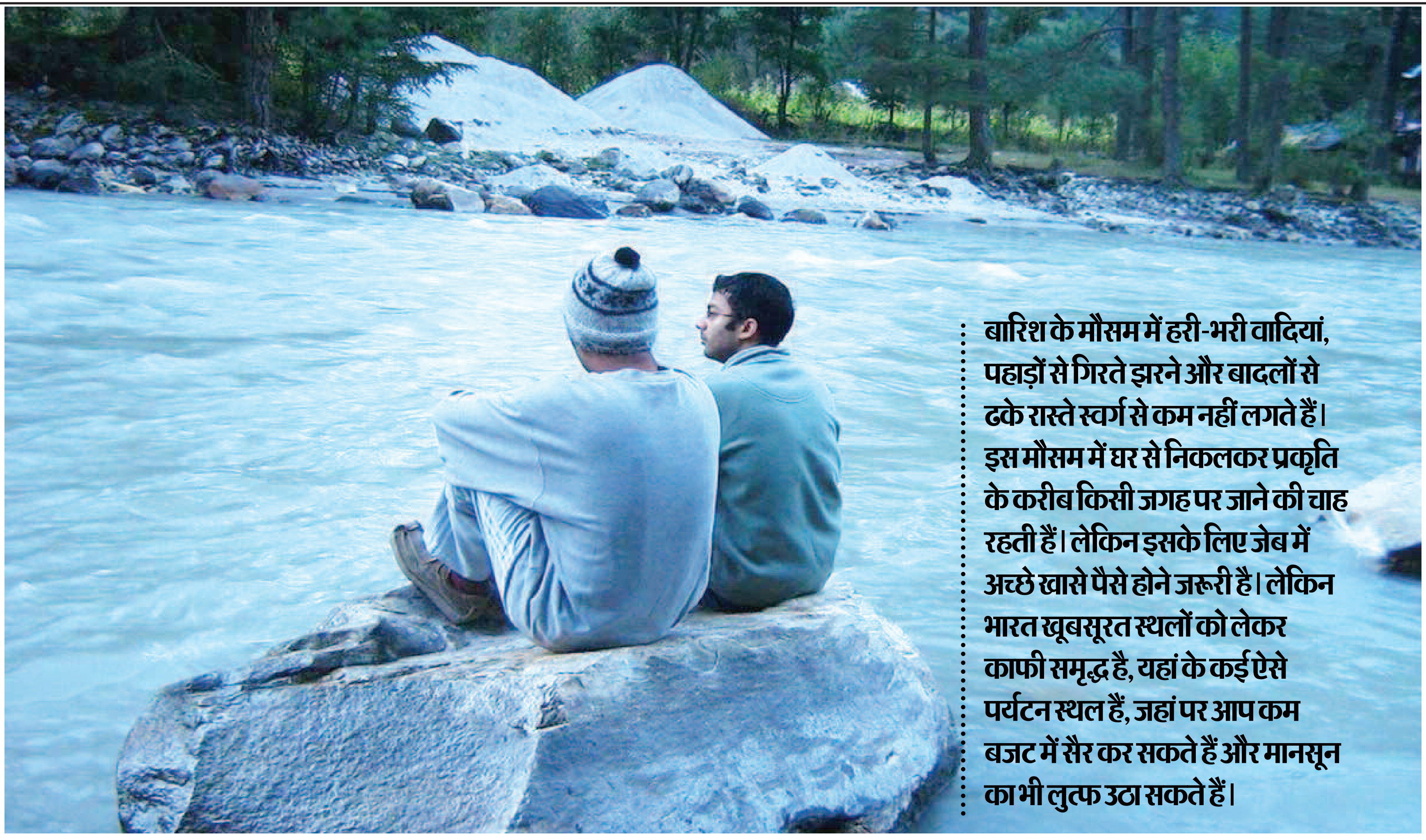

बारिश के मौसम में हरी-भरी वादियां, पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते हैं। इस मौसम में घर से निकलकर प्रकृति के करीब किसी जगह पर जाने की चाह रहती हैं। लेकिन इसके लिए जेब में अच्छे खासे पैसे होने जरूरी है। लेकिन भारत खूबसूरत स्थलों को लेकर काफी समृद्ध है, यहां के कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर आप कम बजट में सैर कर सकते हैं और मानसून का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते

ऐसे में अगर आपका बजट कम है, तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि भारत में कई ऐसी खूबसूरत और फेमस जगहे हैं, जहां पर आप सिर्फ 5,000 रुपए में दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

लैंसडाउन

आप जुलाई में उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्की बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुहावनी हो सकती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी करीब 250 किमी है। आप यहां पर बस के जरिए पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर पर्यटक ताजी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा काफी मनमोहक हो जाता है।

टेहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमन के लिहाज से सबसे अच्छा समय जून से सितंबर और दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम काफी सुहावना हो जाता है। झील के पानी में खेलने के साथ आप अन्य कई एक्टिविटी कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स ट्रिप कर सकते हैं। कैंपिंग, बोटिंग और लोकल खाने आदि को मिलाकर 5,000 रुपए तक का खर्च आएगा। बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल हिल स्टेशन लोकप्रिय होने की वजह से यहां पर ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी सुकून वाली जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आपको उत्तराखंड के भीमताल या नौकुचियाताल जाना चाहिए। यहां पर आपको नैनीताल से कम भीड़ और अधिक सुकून व शांति नजर आएगी। यहां पर आप झील किनारे बैठ सकते हैं, बोटिंग, ट्रैकिंग

और बारिश का मजा ले सकते हैं।

मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम है। जुलाई से मार्च तक आप कभी यहां पर आ सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर स्थित महलों की खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ स्थानीय भोजन आदि मिलाकर आप कुल 4,500 रुपए के अंदर पूरी कर सकते हैं।

चिखलदरा

महाराष्ट्र में मानसून में घूमने के लिए वैसे तो कई फेमस और लोकप्रिय जगहे हैं। लेकिन अगर आप कम पैसों में घूमने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चिखलदरा की सैर पर जा सकते हैं। मार्च से जून का महीना चिखलदरा घूमने के लिए बेस्ट है। चिखलदरा विदर्भ क्षेत्र का एकमात्र हिल स्टेशन है, जोकि अमरावती जिले में है। यहां पर मानसून में झरनों और कॉफी प्लांटेशन का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है सोने की घाटी) एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत झलक

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है।

प्रमुख आकर्षण स्थल

1. ठाजीवास ग्लेशियर

यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

2. ज़ोजिला पास

यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है।

3. बालटाल

यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है।

रोमांच और गतिविधियाँ

ट्रेकिंग : सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर

झील ट्रेक आदि।

फिशिंग : सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्पिंग : घास के मैदानों में टेंट लगाकर रात बिताने का अनुभव बेहद खास होता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग

सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट – यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है।

कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर (लगभग 80 किमी) है।

सड़क मार्ग : श्रीनगर से सोनमर्ग तक का सफर टैक्सी या बस से आसानी से किया जा सकता है। यात्रा के दौरान मनोहारी दृश्य मन मोह लेते हैं।

यात्रा का उपयुक्त समय – मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है। अगर आप वादियों के संगीत को सुनना चाहते हैं और स्वर्ग जैसी जगह का अनुभव करना चाहते हैं, तो सोनमर्ग आपके इंतजार में है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेसियों ने श्रीराम मंदिर चंदा मामले को लेकर किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी में जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चंदा चोरी के कथित मामले को लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश व केंद्र सरकार की बुद्धि शुद्धि के लिए प्रार्थना की। लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने मंदिरों व धार्मिक संस्थाओं में चढ़ावे और चंदे के उपयोग की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच की मांग उठाई। पूर्व आईएएस एवं कांग्रेस नेता सुंदर लाल मुयाल ने धार्मिक आस्था से जुड़े मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करने की बात कही। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों की जांच तथा संबंधित रिपोर्ट सार्वजनिक करने की भी मांग की।

मानसून शुरू होते ही बढ़ी ग्रामीणों की चिंता

उत्तरकाशी। मानसून शुरू होते ही मोरी विकासखंड के बड़ासु पट्टी के दूरस्थ पांच गांव के लोगों की चिंता बढ़ जाती है। सांकरी–गंगाड़–ओसला मोटर मार्ग पर हलारा और पूर्ति खड्ड के उफान पर आने के कारण ग्रामीण जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। उफान पर बह रहे पानी के बीच लोगों को दोपहिया वाहन निकालने के लिए पांच से दस लोगों की आवश्यकता पड़ रही है। साथ ही बड़े वाहनों और पैदल आवाजाही करने वाले लोगों के बहने का खतरा बना हुआ है।स्थानीय निवासी नौनियाल राणा, जनक रावत, जयचंद राणा, वरदान सिंह का कहना है कि मानसून सीजन शुरू होते ही उनका देश–दुनिया से संपर्क कट जाता है। कहा कि बड़ासु क्षेत्र के पवाणी, ओसला, गंगाड़, ढाटमीर, तालुका आदि गांव को जोड़ने वाली सड़क पर हर वर्ष पूर्ति और हलारा खड्ड मुसीबत बनते हैं।इस वर्ष भी बरसात शुरू होते ही दोनों खड्ड का जलस्तर बढ़ने के कारण उफान पर बह रहे हैं। इसके बीच से वाहन चालक जान जोखिम में डालकर आवाजाही कर रहे हैं। एक वाहन को निकालने के लिए दस से अधिक लोगों की मदद ली जा रही है। इस दौरान भी उफान पर बह रहे खड्ड में बहने का खतरा बना हुआ है। कहा कि अब क्षेत्र में सेब के साथ ही राजमा चौलाई आदि फसलों के निकलने का समय भी हो गया है लेकिन अभी मानसून के शुरुआती दौर में यह स्थिति है तो आने वाली बरसात में पांचों गांव का संपर्क पूरी तरह से मोरी विकासखंड मुख्यालय और अन्य क्षेत्रों से कट जाएगा।

सड़क के लिए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे सालू गांव के लोग

उत्तरकाशी। सड़क निर्माण की मांग को लेकर बुधवार को ग्राम सभा सालू के ग्रामीण बड़ी संख्या में जिला मुख्यालय पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग और भूमि विवाद के चलते सड़क निर्माण का मामला अटका हुआ है जबकि इसका खामियाजा गांव के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने इस संबंध में डीएम से मुलाकात कर जल्द ही सड़क निर्माण शुरू करने की मांग की। बुधवार को ग्राम प्रधान अनीता रावत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा सालू के लिए सड़क प्रस्तावित है लेकिन वन विभाग अड़चने लगा रहा है। वन विभाग और ग्रामीणों के बीच संयुक्त रूप से बैठक की गई और यह प्रस्ताव रखा गया कि जिस भूमि में सडक निर्माण की अनुमति तभी दी जा सकती है। वहीं, सारी गांव के कुछ लोगों ने आपत्ति जताई और कहा कि जिस भूमि का चयन सड़क निर्माण कार्य किया गया है। उस भूमि पर सारी गांव के पशुओं का चरान और चुगान किया जाता है। आपत्ति के कारण वन विभाग ने कार्रवाई रोक दी। इससे सड़क निर्माण कार्य लंबे समय से लंबित है। विशेषकर गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीडा के दौरान डंडी कंडी का सहारा लेना पड़ता है। इस मौके पर प्रधान अनिता रावत, कमल सिंह रावत, जितेंद्र सिंह चौहान, भरत सिंह चौहान, पुष्पा देवी, गीता देवी, आशा देवी, अनिता, विक्रम सिंह, मंजिता आदि मौजूद रहीं।

सीमांत गांवों को ट्रैकिंग होमस्टे अनुदान योजना से जोड़ने की मांग

उत्तरकाशी। सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन को रोजगार का मजबूत आधार बनाने और पलायन पर अंकुश लगाने की मांग तेज हो गई है। गढ़वाल हिमालय ट्रैकिंग एवं माउंटेनियरिंग एसोसिएशन ने जिला प्रशासन से वाइब्रेंट विलेज योजना में शामिल पुराली, जसपुर, सुक्की और झाला गांवों को राज्य की ट्रैकिंग होमस्टे अनुदान योजना से जोड़ने की मांग की है। एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेंद्र राणा का कहना है कि यह गांव पहले से ही केंद्र सरकार की वाइब्रेंट विलेज योजना में शामिल हैं। लेकिन पर्यटन सुविधाओं के अभाव में स्थानीय लोगों को इसका अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेंद्र सिंह राणा ने जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा कि चारों गांव साहसिक पर्यटन की दृष्टि से बेहद समृद्ध हैं। ब्रह्मताल, ऋषिवन, कंडारा बुग्याल, बंदरपूंछ बेस कैंप, अवाना बुग्याल, खादरा जलप्रपात और क्यारकोटी जैसे प्राकृतिक स्थल देश–विदेश के ट्रैकर्स और प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं।

सतपुली और स्यूंसी झील परियोजनाओं से पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान : महाराज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : काबीना मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि सतपुली और स्यूंसी झील परियोजनाएं क्षेत्र में पर्यटन विकास के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देंगी। इन परियोजनाओं से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं के साथ लोगों की आजीविका भी मजबूत होगी।

बुधवार को अपने क्षेत्र भ्रमण के पांचवें दिन उन्होंने सतपुली मंडल के ग्राम पंचायत कुल्हाड़ में 1.23 करोड़ रूपये (123.18 लाख) की लागत से बनने वाले दो किलोमीटर लंबे कुल्हाड़ बैंड-किनसूर-कैंडुल-डलगांव-उमन-किनसूर मोटर मार्ग का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं और विधानसभा क्षेत्र में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं की जानकारी भी साझा की। सतपाल महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना, जमरानी बांध और सौंग बांध जैसी योजनाएं प्रदेश के विकास

को नई गति प्रदान करेंगी। उन्होंने बताया कि सतपुली में करीब 56 करोड़ रुपये की लागत से 750 मीटर लंबी झील का निर्माण किया जा रहा है। झील बनने के बाद यहां वाटर स्पोर्ट्स, साहसिक पर्यटन और पैराग्लाइडिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बीरोंखाल विकासखंड में 123.41 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित स्यूंसी झील (बैराज) परियोजना पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ जल संरक्षण और पेयजल संकट के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह बहुउद्देशीय परियोजना क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और स्थानीय लोगों के लिए आजीविका के नए साधन विकसित करने में सहायक होगी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा युवा नेता सुयश रावत, जिलाध्यक्ष कमल किशोर, मंडल अध्यक्ष सर्वेन्द्र, जिला मंत्री बृजमोहन, बूथ अध्यक्ष दिगम्बर, सुरेन्द्र सिंह, गबर सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित, अनिता देवी, सुरेश कुमार, एसडीएम रेखा आर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

मंदिरों में चोरी की घटनाओं पर कांग्रेस ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मंदिरों में हो रही चोरी की घटनाओं पर गहरी चिंता और रोष व्यक्त किया है। उनका कहना है कि भगवान करोड़ो लोगों की आस्था के केंद्र हैं और मंदिरों में चोरी की घटनाएं श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करती हैं। उन्होंने मंदिरों में मिलने वाले चढ़ावे और दानराशि के उपयोग में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

बुधवार को क्षेत्र के एक मंदिर परिसर में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सदस्य राजपाल बिष्ट ने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान बद्रीनाथ करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र हैं। ऐसे में उनके नाम पर प्राप्त चंदे और चढ़ावे का उपयोग पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं का विश्वास बना रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी मंदिर या धार्मिक संस्था में चंदे के दुरुपयोग, गबन या वित्तीय अनियमितता के आरोप सामने आते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान श्रीराम किसी एक राजनीतिक दल या संगठन के नहीं, बल्कि पूरे देश की आस्था और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। इसलिए धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता बनाए रखना और श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। बैठक में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंदिरों में हो रही चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने, धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा जनविश्वास को मजबूत बनाने की मांग की। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पोखड़ा के अध्यक्ष विजेंद्र दर्शन रावत, एआईसीसी सदस्य राजपाल बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख संजय गुसाईं, हर्षवर्धन बिष्ट, नवीन रावत, संजीव सिंह, राजेंद्र सिंह, सुमित, देवेंद्र सिंह, सतेंद्र सिंह नेगी, विनिल बिष्ट, पोखड़ा प्रभारी संजय डबराल, संदीप कंडारी, कुंवर सिंह, दीपक नेगी, जितेंद्र बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा कांग्रेस आशीष नेगी, राष्ट्रीय संयोजक युवा कांग्रेस मोहित सिंह सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आर्यन छात्र संगठन ने चिकित्सकों पर लगाएं गंभीर आरोप

श्रीनगर गढ़वाल : आर्यन छात्र संगठन ने देहरादून स्थित एक नर्सिंग होम में चिकित्सकों की लापरवाही के कारण हुई जच्चा-बच्चा मौत के प्रकरण में चिकित्सकों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। जीएमवीएन सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में आर्यन छात्र संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय बिष्ट ने कहा कि यदि सरकार व प्रशासन के स्तर से इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की जाती तो आर्यन छात्र संगठन उग्र आंदोलन करेगा।

सतेंद्र बिष्ट ने भी अपनी पत्नी के उपचार के दौरान हुई मौत के मामले में प्राप्त जांच समिति की रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए आरोप लगाया है कि रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण तथ्यों की अनदेखी की गई है। आर्यन छात्र संगठन ने कहा कि पूर्व जांच रिपोर्ट को निरस्त कर मामले की स्वतंत्र जांच उच्चस्तरीय मेडिकल बोर्ड से पुनः कराई जाए। प्रकरण को उत्तराखंड मेडिकल काउंसिल की एथिक्स कमेटी को भेजकर चिकित्सकीय लापरवाही और नियमों के उल्लंघन की जांच कराई जाए तथा अस्पताल के दस्तावेजों का फोरेंसिक ऑडिट भी कराया जाए। (एजेंसी)

उत्तर रेलवे

ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम के माध्यम से निविदा आमंत्रण

पत्र सं.:– 50-S/LP/2026 दिनांक : 06.07.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मण्डल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे मुरादाबाद–244001 द्वारा सम्भरणकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रोनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भंण्डार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा सं.	माल का विवरण	मात्रा (मीटर में)	बयाना राशि (रु. में)	अनुमानित मूल्य (रु. में)	निविदा खुलने की तिथि
1.	GEM/2026 /B/7698621	1. ISI मार्क वाला 4 कोर 120 Sq.mm XLPE, PVC इंसुलेटेड हीट–रेसिस्टेंट इलेक्ट्रिकल केबल, जिसमें एल्युमिनियम कंडक्टर है और जो 1100 वोल्ट तक के वर्किंग वोल्टेज के लिए उपयुक्त है। यह BIS मार्क वाला है और इसका इंसुलेशन कंपाउंड Type-C और Type ST-2 है, जो IS–1554 (भाग 1): 1988 या इसके नवीनतम संशोधन के स्पेसिफिकेशन के अनुरूप है। इसमें IS:3975 के अनुसार गैल्वेनाइज्ड GI स्ट्रिप की आर्मरिंग है। पहचान और पैकेजिंग के स्पेसिफिकेशन IS-1554 (भाग 1) के अनुसार हैं और साथ में सभी संबंधित टेस्ट सर्टिफिकेट भी हैं। विस्तृत स्पेसिफिकेशन संलग्न Annexure A के अनुसार हैं।	25900 मीटर	3,13,700.00	1,56,85,040.00	31.07.2026 11:00 AM
	कुल मात्रा		25900 मीटर			

नोट :– पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेब साइट www.gem.gov.in पर उपलब्ध है। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओं को ई. निविदा में भाग लेने तथा पंजीकरण कराने के लिए भारत सरकार आई टी अधिनियम 2000 के तहत प्राधिकृत प्रमाणित एजेंसी से क्लास ।।। डिजिटल प्रमाण पत्र (यदि पहले से प्राप्त नहीं किया है) प्राप्त मान्य होगा। मेन्यूल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

2324/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आतंकी हमले में शहीद हुए जवान चंद्रमोहन सिंह के गांव में पसरा शोक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मणिपुर के उखरूल में आतंकियों के हमले में शहीद हुए वीर जवान चंद्रमोहन सिंह के पैतृक गांव नैनीडांडा ब्लॉक की ग्राम पंचायत भोपाटी खौल के राजस्व ग्राम डांडातोली में गम का माहौल है। गांव के लोगों ने नम आंखों से अपने वीर सपूत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया।

ग्रामीणें ने बताया कि करीब एक माह पहले ही चंद्रमोहन सिंह के पिता गोविंद सिंह का निधन हुआ था। उस समय वह परिवार के साथ गांव आए थे और अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद वापस गाजियाबाद लौट गए थे। किसी ने भी नहीं सोचा था कि गांव की यह यात्रा उनकी अंतिम यात्रा साबित होगी। परिजनों के अनुसार, चंद्रमोहन सिंह के बड़े भाई सुरेंद्र सिंह का पहले ही निधन हो चुका है। उनका परिवार गाजियाबाद में रहता है। चंद्रमोहन सिंह और उनके दूसरे भाई पंचम सिंह का परिवार भी गाजियाबाद में ही निवास करता है, जबकि सबसे छोटे भाई आनंद सिंह अपने परिवार के साथ पैतृक गांव डांडातोली में रहते हैं। शहादत की खबर मिलते ही परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा। पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शहीद के भाई पंचम सिंह ने बताया कि चंद्रमोहन सिंह का पार्थिव शरीर बुधवार देर शाम तक गाजियाबाद स्थित उनके आवास पहुंचने की

संभावना है। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख प्रकीर्ण नेगी, ग्राम प्रधान विमला देवी, पूर्व प्रधान जशोदा रावत, डबल सिंह रावत सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने शहीद चंद्रमोहन सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए वीर जवान के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखने का संकल्प लिया।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विद्युत अधिष्ठापन कार्य के लिये **अधिकृत 'ए' श्रेणी लाईसेन्स** प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 25.07.2026 को 14.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 16.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड–नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 25.07.2026 को 12.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को निविदा बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जी0एस0टी0 सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
10/2026–27	रू0 118/–	वि०वि० उपखण्ड– स्यूँसी के अन्तर्गत ग्राम– जोगीमणी में एल०टी० पोल व एल०टी० लाइन शिफ्ट किये जाने का कार्य।	600.00

पत्रांक : 463/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 08.07.2026

अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

गांधी पार्क में लटका ताला, लोग और पर्यटक परेशान

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : पर्यटन नगरी लैंसडौन में सार्वजनिक गांधी पार्क के गेट में ताला लगा है। जिस कारण स्थानीय नागरिक और पर्यटक को सुरक्षित खुले स्थान में टहलने की जगह से वंचित होना पड़ रहा है।

पर्यटन नगरी लैंसडौन में स्थित सार्वजनिक गांधी पार्क के गेट में लगा ताला कब खुलेगा यहां तो प्रशासन तय करेगा। परंतु यह बात स्पष्ट है कि गांधी पार्क गेट न खुलने से बुजुर्गों, महिलाओं और बाहर से आए पर्यटकों को बैठने का एक सुरक्षित स्थान नहीं मिल पा रहा है। व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश अग्रवाल का कहना है कि जनहित में गांधी पार्क के गेट में लगा ताला खोला जाना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए। गांधी पार्क न खुलने से आम जनता के साथ-साथ पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दूर से आए पर्यटक, स्थानीय निवासी बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे गांधी पार्क की जन सुविधा से वंचित न हो। पार्क में लगा ताला एक और आश्चर्यचकित तो करता है। जहां पर्यटकों के लिए नई-नई सुविधाओं के द्वार खोले जा रहे हैं। वहीं उनके लिए महत्वपूर्ण गांधी पार्क स्थल के गेट में ताला लगा होना आश्चर्यचकित करता है।

जखोल, जोंकाणी और गोरशाली गांव के ग्रामीणों ने दिया धरना

उत्तरकाशी। भटवाड़ी में विकास संघर्ष समिति की ओर से तीन सूत्री मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को 14वें दिन भी जारी रहा। वहीं, जखोल, जोंकाणी और गोरशाली गांवों से बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं, बुजुर्गों और ग्रामीणों ने धरना स्थल पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया।

धरने पर बैठे ग्रामीणों ने कहा कि बीते मंगलवार को गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ हुई वार्ता में केवल आश्वासन मिला, लेकिन मांगों के समाधान को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। कहा कि उनका उद्देश्य केवल प्रतीकात्मक विरोध नहीं, बल्कि अपने अधिकारों की प्राप्ति है।

उप प्रधान पद के निर्वाचन की अधिसूचना जारी, 15 जुलाई को होगा निर्वाचन

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) चमोली गौरव कुमार द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखण्ड की अधिसूचना के क्रम में जनपद की ग्राम पंचायतों में रिक्त उप प्रधान पदों के सामान्य निर्वाचन की समय-सारणी जारी कर दी गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचन की समस्त कार्यवाही संबंधित ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर संपन्न कराई जाएगी।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 जुलाई, 2026 को प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक नामांकन पत्र जमा किए जाएंगे। इसके उपरांत 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। दोपहर 12:00 बजे से 12:30 बजे तक नाम वापसी का समय निर्धारित किया गया है। इसके बाद अपराह्न 12:30 बजे से 1:00 बजे तक निर्वाचन चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। अपराह्न 1:30 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक मतदान कराया जाएगा तथा अपराह्न 4:00 बजे से कार्य समाप्ति तक मतगणना एवं परिणाम घोषित किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश पंचायती राज (सदस्यों, प्रधानों और उप प्रधानों का निर्वाचन) नियमावली, 1994 (उत्तराखंड राज्य में यथावत प्रवृत्त) के प्रावधानों तथा राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की बिक्री 08 जुलाई से 14 जुलाई, 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक संबंधित क्षेत्र पंचायत मुख्यालयों पर की जाएगी। वहीं निर्वाचन दिवस 15 जुलाई, 2026 को प्रातः 8:00 बजे से 9:30 बजे तक भी संबंधित ग्राम पंचायत में निर्धारित स्थान पर नामांकन पत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। उप प्रधान पंचायत सामान्य निर्वाचन-2026 के अंतर्गत जनपद चमोली में विकासखंडवार उप प्रधान ग्राम पंचायतों के निर्वाचन क्षेत्रों का विवरण जारी कर दिया गया है। जनपद की कुल 608 उप प्रधान पद के लिए निर्वाचन संपन्न कराया जाएगा।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी एकेश्वर गढ़वाल

पत्रांक 552/2–लेखा/आपदा/विज्ञप्ति/2026-27 दिनांक- 08.07.2026

विज्ञप्ति

जिलाधिकारी गढ़वाल के पत्र संख्या आर-12/417/13-मु0रा0ले0 (दै0आ0) / 2025-26 दिनांकः 20 मार्च 2026 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पतियों की मरम्मत / पुर्ननिर्माण एवं मुख्य विकास अधिकारी के पत्रांक 1156/मु0मं0प0रो0यो0/ बजट अवमुक्त /2025-26 दिनांक 27 मार्च 2026 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना के अन्तर्गत धनराशि प्राप्त होने के उपरान्त इस कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से (ठेकेदार द्वारा वर्ष 2025-26 में टैक्स जमा कर दिया हो) निम्न कार्यों हेतु निविदायें दिनांक 22.07.2026 के दोपहर 01 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक- 22.07.2026 को ठेकेदार या उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख दोपहर 02 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र कार्यालय से दिनॉकः 09.07.2026 से दिनांकः 21.07.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित मूल्य पर प्राप्त किया जा सकता है। निविदा फॉर्म के साथ रू0 100/– का स्टाम्प पेपर, स्वीकृत धनराशि का 2 प्रतिशत की धनराशि सी0डी0आर0 के रूप में जो कि खण्ड विकास अधिकारी के नाम बन्धक हो तथा टैक्स जमा का प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करना आवश्यक है, अन्यथा की स्थिति में निविदा फॉर्म निरस्त समझा जायेगा। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। उक्त कार्यों को 30 दिन के अन्दर पूर्ण करना आवश्यक है। निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अद्योहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मद	स्वीकृत राशि लाख में	निविदाफार्म का मूल्य जीएसटी सहित पूर्ण रू0 में
1	ग्राम कोटा में कुन्दन सिंह के घर के समीप क्षतिग्रस्त आम रास्ते पर पुस्ते का निर्माण	आपदा मद	7.45	1180.00
2	सिमार में डेयरी यूनिट निर्माण	मु0मं0प0रो0यो0	3.10	590.00

खण्ड विकास अधिकारी,
एकेश्वर गढ़वाल।

(0294/21)

पेरिस एफसी ने पूर्व चेल्सी कोच लियाम रोसेन्योर को हेड कोच नियुक्त किया

पेरिस। पूर्व चेल्सी हेड कोच लियाम रोसेन्योर को पेरिस एफसी ने अपनी पुरुष टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया है। कुछ महीनों पहले प्रीमियर लीग ने उन्हें पद से हटाया था, जिसके बाद इंग्लिश कोच को यह जिम्मेदारी मिली है। लीग 1 की इस टीम ने मंगलवार को पुष्टि की है कि 41 वर्षीय रोसेन्योर ने जून 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। वे आधिकारिक तौर पर 9 जुलाई से काम शुरू करेंगे, जब टीम प्री-सीजन ट्रेनिंग के लिए लौटेगी। रोसेन्योर, एंटोनी कोम्बोउरे की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में क्लब को 11वें स्थान पर पहुंचाने से पहले लीग 1 में बने रहने में मदद की थी। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद, क्लब ने कोम्बोउरे के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह एक नया अध्याय शुरू करना

चाहता है। अप्रैल में चेल्सी में अपने छोटे से कार्यकाल के खत्म होने के बाद रोसेन्योर फुटबॉल मैनेजमेंट में वापसी कर रहे हैं। पूर्व डिफेंडर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चार महीने से भी कम समय तक रहे और फिर क्लब से अलग हो गए।
पेरिस एफसी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को तैयार करने और फुटबॉल का एक महत्वाकांक्षी, आक्रामक शैली अपनाने के लिए रोसेन्योर की ख्याति ने उन्हें क्लब को अगले चरण में ले जाने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया। क्लब ने एक बयान में कहा, '41 वर्षीय लियाम रोसेन्योर के पास पहले से ही उच्चतम स्तर का काफी अनुभव है। युवा प्रतिभाओं को निखारने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लियाम रोसेन्योर, पेरिस एफसी की विचारधारा और स्पोर्टिंग प्रोजेक्ट के लिए एकदम सही हैं। महत्वाकांक्षी, आकर्षक और आक्रामक फुटबॉल के प्रति उनका नजरिया क्लब की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं से मेल खाता है।' पेरिस एफसी के स्पोर्टिंग डायरेक्टर मार्को नेपे ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए रोसेन्योर को एक आधुनिक कोच बताया जो खिलाड़ियों और टीम दोनों को विकसित करने में सक्षम हैं। नेपे ने कहा, 'लियाम रोसेन्योर में वे सभी गुण हैं जिनकी हमें तलाश थी।

जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में गौतम गंभीर नहीं होंगे भारत के कोच

वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए सोमवार (6 जुलाई) को श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम का ऐलान हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को एशियन गेम्स में खेलने है। खबर है कि जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।
क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के लॉग रिकॉर्ड के अनुसार जुलाई के अंत में जिम्बाब्वे दौरे और सितंबर में एशियन गेम्स के लिए कोचिंग स्टाफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से होगा। वीवीएस लक्ष्मण के सपोर्ट

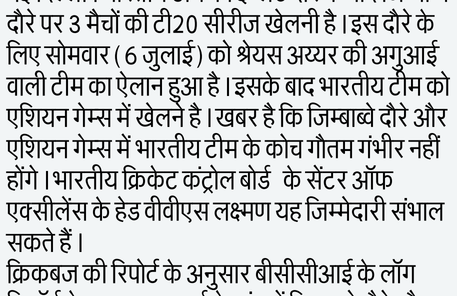

स्टाफ की अगुआई करने की उम्मीद है। सीओई में उनके साथी कोच सुनील जोशी और ऋषिकेश कानिटकर के भी उनके साथ जुड़ने की संभावना है।
एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज सीरीज में टकराव यह व्यवस्था खास तौर पर इसलिए जरूरी है क्योंकि जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज में टकराव होना है। इससे पहले सितंबर के बीच में भारत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। इत्तेफाक से अफगानिस्तान उस सीरीज का मेजबान होगा। जिम्बाब्वे दौरे के योजना के मुताबिक, भारतीय टीम के कुछ सदस्य 19 जुलाई को हरारे पहुंचेंगे।
जिम्बाब्वे में 3 मैचों की सीरीज– बाकी खिलाड़ी 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरे और आखिरी वनडे के बाद 20 जुलाई को टीम से जुड़ेंगे। टीम 20 से 22 जुलाई तक और फिर 24 जुलाई को आराम करेगी और ट्रेनिंग करेगी।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की हार जारी

● इंग्लैंड ने टीम इंडिया को किया 76 पर ढेर

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत को 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच मैच में 125 रनों से हरा दिया और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में मंगलवार (7 जुलाई) को भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने अर्धशतक जड़ा। भारत के लिए प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। 2 विकेट झटके। इसके जवाब में भारत 11.4 ओवर में 76 रन पर ढेर हो गया।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने जबरदस्त गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर (3 ओवर में 3/29) और जोश टंग (4 ओवर में 4/28) ने पावरप्ले में जबरदस्त आक्रामकता के साथ गेंदबाजी की। जब भारत का स्कोर पांच ओवर में 5 विकेट पर 52 रन हो गया, तभी मैच का नतीजा लगभग तय हो गया था।

सबसे बुरी बात यह रही कि यह हाल के समय में भारत के सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक था, जिसमें खराब शॉट चयन और लड़ने का जज्बा न होना साफ दिखा। बाकी का समय बस औपचारिकता भर था। पावरप्ले के दौरान शिवम दुबे से पहले नंबर 7 पर हर्षित राणा जैसे 'हिट-एंड-मिस' वाले खिलाड़ी को भेजने पर कई लोगों ने हैरानी भी जताई।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दो छक्के लगाए (एक जोफ्रा आर्चर और एक जोश टंग की गेंद पर) लेकिन उनकी 13 रन की पारी सिर्फ पांच गेंदों में खत्म हो गई। उनके दाहिने कंधे पर आए एक तेज बाउंसर पर उन्होंने हुक शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। इससे वैभव सूर्यवंशी को यह अहसास हो गया कि इंटरनेशनल क्रिकेट हमेशा बच्चों का खेल नहीं होता।

अभिषेक शर्मा डीप एक्स्ट्रा कवर पर कैच आउट हो गए। यह वही इलाका है जहां वह पहले भी कई बार आउट हो चुके हैं। इशान किशन ने हुक करके एक छक्का तो लगाया, लेकिन जल्द ही आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर फ्लिक करने की कोशिश की और स्क्वायर के पीछे खड़े फील्डर के हाथों में गेंद मार बैठे। अक्षर पटेल को शॉर्ट बॉल की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें फुलर लेंथ मिली और उसका किनारा लगकर गेंद स्टंप्स के पीछे चली गई।

भारत की सबसे बड़ी हार

दूसरे सबसे कम स्कोर पर आउट

पावरप्ले में पहली बार गंवाए 5 विकेट

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी है। इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मंगलावर (7 जुलाई) को 125 रनों से हरा दिया। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी हार है। वह टी20 इंटरनेशनल में पहली बार 100 से ज्यादा रन से हारी। टॉस हारकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर आउट हो गई। यह भारत का सबसे न्यूनतम स्कोर है। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवा दिए। छठे ओवर में ही हर्षित राणा बल्लेबाजी के लिए आ गए। पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवाए। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद 5 मैचों से जीत का इंतजार है। उसने 4 मैच गंवाए हैं और 1 मैच बेनतीजा रहा है। भारत ने जीत के लिए कभी इतना लंबा इंतजार नहीं किया।

भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी

- 125 रन से इंग्लैंड ने हराया, ट्रेंटब्रिज, 2026
- 80 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, वेलिंगटन, 2019
- 76 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, अहमदाबाद, 2026
- 51 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, मुल्लनपुर, 2025
- 50 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, विशाखापत्तनम, 2026

(ऊपर दिए गए पांच में से चार दिसंबर 2025 के बाद आए हैं)

0-2 से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना की शानदार वापसी

11 मिनट में पलटी बाजी, मेसी बने संकटमोचक

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अर्जेंटीना के लिये 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई और मिस्र के खिलाफ 79वें मिनट तक 2 गोल से पिछड़ रही मौजूदा चैम्पियन टीम को 3-2 से जीत के साथ विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया। निर्धारित समय में 11 मिनट बाकी रहने तक अर्जेंटीना दो गोल से पिछड़ रहा था और ऐसा लगने लगा था कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद मेसी की फुटबॉल के महासमर से विदाई का समय आ गया है। इसके बाद अर्जेंटीना ने चमत्कारिक वापसी करते हुए तीन गोल दागकर जीत दर्ज की और दुनिया भर में उसके करोड़ों प्रशंसकों ने भी राहत की सांस ली। इसमें से बराबरी का गोल 83वें मिनट में छठा विश्व कप खेल रहे मेसी ने दागा था जिनके अब विश्व कप कैरियर में 21 गोल हो गए हैं। अब अर्जेंटीना का सामना शनिवार (11 जुलाई) को कंसास सिटी में स्विटजरलैंड या कोलंबिया से होगा।

मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके

आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके। उन्होंने 83वें मिनट में इस विश्व कप में आठवां गोल करके टीम को 2-2 से बराबरी पर पहुंचाया। विजयी गोल स्टॉपेज टाइम में एंजो फर्नांडिस ने दागा। वहीं क्रिस्टियन रोमेरो ने 79वें मिनट में अर्जेंटीना के लिये पहला गोल किया था।

मेसी पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए

मिस्र ने यासिर इब्राहिम और मुस्तफा जिको के गोल के दम पर 2-0 से बढ़त बना ली थी। मेसी को पहले हाफ में मौका मिला था, लेकिन उनकी पेनल्टी किक को मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने बचा लिया था। फिर जब स्कोर 1-0 था, तब उनका शॉट गोलपोस्ट से टकरा गया। अर्जेंटीना की नजरें लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली ब्राजील (1958 और 1962) के बाद पहली टीम बनने पर है।

15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली– मैच से पहले अर्जेंटीना को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन 15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली जब लिसांद्रो मार्तिनेज को चकमा देकर इब्राहिम ने मारवान आतिया के क्रॉस पर गोल दाग दिया। अर्जेंटीना को तुरंत पेनल्टी स्पॉट के साथ बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेसी के शॉट को शोबीर ने बायीं ओर डाइव लगाकर बचा लिया।

एम्बाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की जांच शुरू

पराग्वे के सांसद ने परवरिश का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। विश्व कप में फ्रांस के हाथों पराग्वे की हार के बाद पराग्वे के एक सांसद द्वारा कीलियन एम्बाप्पे के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किये जाने के मामले में फ्रांस के अभियोजकों ने गंभीर सार्वजनिक अपमान और नफरत या हिंसा भड़काने के आरोपों में जांच शुरू कर दी है। फ्रांस के अभियोजकों के कार्यालय ने मंगलवार (7 जून) को बताया कि आनलाइन घृणा से निपटने वाली राष्ट्रीय ईकाई को फ्रेंच फुटबॉल महासंघ से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई है। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टी अमारिला ने एक्स पर नस्लीय टिप्पणी की थी। इससे पहले एम्बाप्पे के गोल के दम पर फ्रांस ने पराग्वे को हराया था। अमारिला ने फ्रांस के कप्तान के मूल, परवरिश, शिक्षा और चेहरे मोहरे का मजाक बनाया था। फ्रांस क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका सामना मोरक्को से होगा। एम्बाप्पे ने उन्हें 'घिनौनी महिला' करार देते हुए कहा था कि वह पराग्वे की कांग्रेस में सेवा के लायक नहीं हैं।

अमारिला ने पत्र जारी किया

बाद में अमारिला ने सोशल मीडिया पर एम्बाप्पे के लिए फ्रेंच और स्पेनिश भाषा में एक खुला पत्र जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी समस्या खिलाड़ी से थी, न कि फ्रांस देश से।

अभिषेक नंबर 1

वैभव टॉप-10 से बाहर

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत को बेशक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में रन के लिहाज से सबसे बड़ी हार मिली हो, बेशक इस मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से लड़खड़ा गई हो, लेकिन इस मुकाबले के बाद अगर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 बल्लेबाजों की बात करें तो अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर हैं।

वहीं इस टी20 सीरीज के दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी टॉप-10 से बाहर हैं।

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 112 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ अब तक कुल 110 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के बैटर जैकब बेथेल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 89 रन बनाए हैं। वैभव सूर्यवंशी इस लिस्ट में टॉप-10 से बाहर हैं। वैभव ने 2 मैचों में 27 रन बनाकर 12वें नंबर पर हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: देश का मान बढ़ाने टीम इंडिया ग्लास्गो रवाना

नई दिल्ली। भारत फिर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है। देश के खिलाड़ी अब स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगे का मान बढ़ाने उतरेंगे। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार सात जुलाई 2026 को खिलाड़ियों और अधिकारियों के दल को भव्य विदाई दी। साथ ही उन आधिकारिक सेरेमोनियल और प्रतियोगिता किट का भी अनावरण किया, जिसे भारतीय खिलाड़ी ग्लास्गो में पहनेंगे। इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह मौजूद रहे। खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी नए भारत की खेल प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। मैं

खिलाड़ियों की भव्य विदाई, नई किट भी लॉन्च

सभी खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के खेलें, खेल भावना का सम्मान करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।''

23 जुलाई से होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के बारे में मनसुख मांडविया ने कहा, ''ग्लास्गो में हमारे सर्वश्रेष्ठ खेलों में से दस नहीं है, लेकिन खेल तो खेल है। हमें यकीन है कि हमारे खिलाड़ी पूरे उत्साह से खेलेंगे और देश को गौरवान्वित करके विश्व खेल जगत में भारत की छवि और मजबूत करेंगे।'' कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, भारतीय दल के चीफ-डि-मिशन रोहित राजपाल और डिप्टी चीफ-डि-मिशन रवि बंगानी भी मौजूद रहे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, ''आज भारतीय खेलों के लिए एक नए गौरवशाली अध्याय की शुरुआत है। भारत की जर्सी पहनने वाले हर खिलाड़ी ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग के दम पर यह मौका हासिल किया है।

खेलों में मेजबान के तौर पर बढ़ रही भारत की साख: मनसुख मांडविया

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वैश्विक खेल समुदाय में भारत के बढ़ते कद की बानगी इससे मिलती है कि भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की संख्या बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ अर्से में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी की है, जिसमें विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।
मनुसख मांडविया ने कहा, ''खेल आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। एक समय वह भी था जब महासंघ विश्व और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत में एशियाई खेल, एशियाई चैंपियनशिपस, विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए कहते थे लेकिन उन्हें भारत के सामर्थ्य पर संदेह रहता था।''